हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 01 | अंक - 340 | बेमेतरा, रविवार 27 जुलाई 2025 | रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित | कुल पेज - 8 | मूल्य - 5 रूपये

संक्षिप्त समाचार

बिहार में कानून-व्यवस्था पर सवाल: बोधगया में एंबुलेंस के भीतर युवती से गैंगरेप, होमगार्ड बहाली के फिजिकल टेस्ट में हुई थी बेहोश

बोधगया। बिहार के बोधगया में होमगार्ड भर्ती परीक्षा के दौरान बेहोश होने के बाद एक 26 वर्षीय महिला ने आरोप लगाया है कि चलती एम्बुलेंस में उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया। यह घटना कथित तौर पर 24 जुलाई को हुई जब शारीरिक परीक्षा के दौरान बेहोश होने के बाद उसे अस्पताल ले जाया जा रहा था। पुलिस के अनुसार, महिला ने दावा किया कि गाड़ी में बेहोशी की हालत में कई लोगों ने उसके साथ मारपीट की। बोधगया पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। प्राथमिकी दर्ज होने के कुछ ही घंटों बाद, पुलिस ने दो संदिग्धों एम्बुलेंस चालक विनय कुमार और गाड़ी में सवार तकनीशियन अजीत कुमार को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि दोनों फिलहाल हिरासत में हैं और पूछताछ चल रही है, गया पुलिस ने इस कार्रवाई को त्वरित और तत्काल बताया। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि आसपास के सीसीटीवी फुटेज से एम्बुलेंस के रास्ते और समय की पुष्टि करने में मदद मिली है, जिससे चल रही जाँच में अहम सबूत मिले हैं।

मप्र में जिला न्यायाधीशों के साथ शूद्र जैसा व्यवहार किया जाता है: अदालत

भोपाल। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने अपने एक आदेश में राज्य के न्यायिक ढांचे में परिलक्षित जाति व्यवस्था और सामंती मानसिकता की निंदा की है, जहां उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों को सवर्ण या विशेषाधिकार प्राप्त माना जाता है जबकि जिला न्यायाधीशों को शूद्र माना जाता है। इसमें उच्च न्यायालय और जिला न्यायालयों के न्यायाधीशों के बीच के रिश्ते की तुलना ''सामंती आका और भूदास'' से की गई है, तथा कहा गया कि भय और हीनता की भावना एक द्वारा दूसरे के अवचेतन में जानबूझकर डाली जाती है। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति डी के पालीवाली की खंडपीठ ने 14 जुलाई को न्यायाधीश से संबंधित मामले की सुनवाई के दौरान यह तीखी टिप्पणी की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विश्व पर राज

मॉर्निंग कंसल्ट रेटिंग में फिर 'सबसे विश्वसनीय नेता' बने पीएम

नईदिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी बिज़नेस इंटेलिजेंस फर्म मॉर्निंग कंसल्ट द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 75 प्रतिशत अनुमोदन स्कोर के साथ 'डेमोक्रेटिक लीडर अप्रूवल रेटिंग्स' की नवीनतम वैश्विक सूची में एक बार फिर शीर्ष पर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद 59 प्रतिशत अनुमोदन स्कोर के साथ दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग दूसरे स्थान पर हैं। यह वैश्विक सर्वेक्षण, जो प्रमुख विश्व नेताओं की अप्रूवल रेटिंग पर नज़र रखता है, मोदी को अपने समकक्षों से काफ़ी आगे रखता है, जिनमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी शामिल हैं, जिनकी अप्रूवल रेटिंग 44 प्रतिशत है। दिलचस्प बात यह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प शीर्ष पांच में नहीं हैं और 45 प्रतिशत से कम अनुमोदन के साथ आठवें स्थान पर हैं।

नवीनतम ग्लोबल लीडर अप्रूवल रेटिंग 4 से 10 जुलाई 2025 के बीच आयोजित की गई थी। मॉर्निंग कंसल्ट ने सर्वेक्षण किए गए देशों में वयस्कों की राय के सात-दिवसीय औसत का उपयोग किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 76 प्रतिशत के साथ सर्वोच्च अप्रूवल रेटिंग हासिल की, जिससे अन्य वैश्विक समकक्षों पर उनकी

महत्वपूर्ण बढ़त बनी रही। मोदी के बाद दक्षिण कोरिया के ली जे-म्यांग (59 प्रतिशत), अर्जेंटीना के जेवियर माइली (57 प्रतिशत) और कनाडा के मार्क कार्नी (56 प्रतिशत) का स्थान रहा।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़ (54 प्रतिशत) को 54 प्रतिशत, जबकि स्विट्ज़रलैंड की कैरिन केलर-सटर (53 प्रतिशत) को 53 प्रतिशत रेटिंग मिली। मेक्सिको की नई राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम (48 प्रतिशत) ने इस सूची में अपना स्थान पूरा किया।

मॉर्निंग कंसल्ट द्वारा 4 से 10 जुलाई 2025 के बीच आयोजित नवीनतम ग्लोबल लीडर अप्रूवल रेटिंग के अनुसार, भारतीय प्रधानमंत्री दुनिया के सबसे विश्वसनीय नेता बने हुए हैं।

भाजपा नेता ने X पर लिखा, एक अरब से ज़्यादा भारतीयों के प्रिय और दुनिया भर में लाखों लोगों के सम्मान वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर मॉर्निंग कंसल्ट ग्लोबल लीडर अप्रूवल ट्रैकर में शीर्ष पर हैं - दुनिया भर में सबसे ज़्यादा रेटिंग वाले और सबसे विश्वसनीय नेता। मज़बूत नेतृत्व। वैश्विक सम्मान। भारत सुरक्षित हाथों में है।

75 प्रतिशत की अप्रूवल रेटिंग के साथ, मोदी दक्षिण कोरिया के ली जे-म्यांग (59 प्रतिशत), अर्जेंटीना के जेवियर माइली (57 प्रतिशत) और कनाडा के मार्क कार्नी (56 प्रतिशत) जैसे नेताओं से आगे वैश्विक चार्ट में सबसे आगे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 44 प्रतिशत रेटिंग के साथ आठवें स्थान पर हैं।

करगिल विजय दिवस हमारे सैनिकों के अद्वितीय साहस की याद दिलाता है : पीए मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने करगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ की बधाई देते हुए शनिवार को कहा कि यह दिवस करगिल के पहाड़ों से पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़ने में भारतीय सशस्त्र बलों की सफलता का प्रतीक है। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''देशवासियों को करगिल विजय दिवस की ढेरों शुभकामनाएं। यह अवसर हमें मां भारती के उन वीर सपूतों के अप्रतिम साहस और शौर्य का स्मरण कराता है जिन्होंने देश के आत्मसम्मान की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के जवानों का मातृभूमि के लिए मर-मिटने का जज्बा हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा। हर साल 26 जुलाई को करगिल विजय दिवस मनाया जाता है। साल 1999 में इसी दिन भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन विजय' की सफलता की घोषणा की थी। उस समय लद्दाख के करगिल में पाकिस्तानी घुसपैठियों से तीन महीने तक चले संघर्ष के बाद भारत को जीत हासिल हुई थी।

दुख है ऐसी सरकार के समर्थन पर...,

चिराग पासवान ने बिहार में अपराध पर नीतीश सरकार को घेरा

नईदिल्ली (एजेंसी)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने शनिवार को बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें अपराध पर अंकुश लगाने में असमर्थ सरकार का समर्थन करने में दुख हो रहा है। एनडीए सरकार में केंद्रीय मंत्री पासवान ने कहा कि बिहार में प्रशासन हत्या, अपहरण, डकैती और बलात्कार की घटनाओं को रोकने में पूरी तरह से असमर्थ है। चिराग पासवान ने कहा कि बिहार में जिस तरह से अपराध हो रहे हैं, प्रशासन अपराधियों के सामने पूरी तरह से नतमस्तक हो गया है।

चिराग पासवान ने आगे कहा कि यह सही है कि इस घटना की निंदा आवश्यक है, लेकिन ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं? अपराधों का एक सिलसिला सा चल पड़ा है। अगर यह ऐसे ही चलता रहा, तो स्थिति भयावह होगी, बल्कि, स्थिति भयावह हो गई है। पासवान ने राज्य सरकार पर या तो स्थिति को छिपाने का प्रयास करने या स्थिति को संभालने में असमर्थ होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर यह कहा जा रहा है कि यह चुनाव के कारण हो रहा है, तो मैं यह भी कह सकता हूं कि ऐसा हो सकता है, यह सरकार को बदनाम करने की साजिश हो सकती है, लेकिन फिर भी, इसे नियंत्रित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। आपके प्रशासन में अपराधी कैसे बच निकल रहे हैं... या प्रशासन स्थिति को छिपाने की कोशिश कर रहा है, या प्रशासन स्थिति को संभालने में पूरी तरह से असमर्थ है।उन्होंने कहा, मुझे दुख है कि मैं ऐसी सरकार का समर्थन कर रहा हूं जहां अपराध अनियंत्रित हो गया है।

चिटफंड घोटाले में टीएमसी के पूर्व सांसद की 127 करोड़ की संपत्ति कुर्क

कोलकाता। बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल को लेकर फिर एक बड़ी खबर से सनसनी फैल गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़े पैमाने पर हुए चिटफंड घोटाले के सिलसिले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के पूर्व सांसद कंवर दीप सिंह से जुड़ी संस्थाओं के स्वामित्व वाले दो अस्पतालों के 127.33 करोड़ रुपये के शेयर कुर्क किए हैं। ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत पंचकूला स्थित अल्केमिस्ट अस्पताल और ओजस अस्पताल के शेयरों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। बताया जा रहा है कि इन संपत्तियों का स्वामित्व केडी सिंह के बेटे करण दीप सिंह के पास है।

बिहार में पत्रकारों की बल्ले-बल्ले!

मासिक पेंशन 6 हजार से बढ़कर 15 हजार हुई

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को 'बिहार पत्रकार सम्मान पेंशन योजना' के तहत पत्रकारों की मासिक पेंशन में बढ़ोतरी की घोषणा की। पात्र पत्रकारों को अब 15,000 रुपये प्रति माह मिलेंगे, जो पहले 6,000 रुपये प्रति माह थी। इसके अलावा, इस योजना के तहत पेंशन प्राप्त करने वाले पत्रकार की मृत्यु होने पर, मृतक की पत्नी को आजीवन 1,000 रुपये प्रति माह पेंशन मिलेगी। पहले ऐसी महिलाओं को 3,000 रुपये प्रति माह मिलते थे। इस संबंध में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने संबंधित विभाग को निर्देश दे दिए हैं।

इसको लेकर नीतीश ने एक्स पर लिखा कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि बिहार पत्रकार सम्मान पेंशन योजना के तहत अब सभी पात्र पत्रकारों को हर महीने 6 हजार रू? की जगह 15 हजार रू? पेंशन की राशि प्रदान करने का विभाग को निर्देश दिया है। साथ ही बिहार पत्रकार सम्मान पेंशन योजना के अंतर्गत पेंशन प्राप्त कर रहे पत्रकारों की मृत्यु होने की स्थिति में उनके आश्रित पति/ पत्नी को जीवनपर्यन्त प्रतिमाह 3 हजार रुपये की जगह 10 हजार रुपये की पेंशन राशि दिए जाने का निर्देश दिया है।

उन्होंने आगे लिखा कि लोकतंत्र में पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। वे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ हैं और सामाजिक विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। पत्रकारों की सुविधाओं का हमलोग शुरू से ख्याल रख रहे हैं ताकि वे निष्पक्ष होकर अपनी पत्रकारिता कर सकें और सेवानिवृत्ति के उपरांत सम्मानजनक तरीके से अपना जीवन-यापन कर सकें। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले इस कदम को जेडीयू का मास्टरस्ट्रोक माना जा रहा है।

जयराम रमेश का केंद्र सरकार पर तंज

पीएम मोदी की ट्रंप के साथ दोस्ती खोखली साबित हो रही है...

नईदिल्ली (एजेंसी)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शनिवार को मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए भारतीय कूटनीति की विफलता का आरोप लगाया और कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ प्रधानमंत्री की दोस्ती खोखली साबित हो रही है। कांग्रेस (महासचिव) के संचार प्रभारी रमेश ने एक्स पर लिखा कि 19 जून, 2020 को प्रधानमंत्री द्वारा चीन को क्लीन चिट देने की भारत को पहले ही भारी कीमत चुकानी पड़ी है। राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनकी बहुप्रचारित दोस्ती अब खोखली साबित हो रही है। रमेश ने कहा कि भारतीय कूटनीति की घोर विफलता, खासकर पिछले दो महीनों में, चार तथ्यों से सबसे ज़्यादा उजागर होती है। ये तथ्य प्रधानमंत्री और उनके ढोल पीटने वालों और जयजयकार करने वालों के बड़े-बड़े दावों की पोल खोलते हैं। 10 मई, 2025 से अब तक राष्ट्रपति ट्रंप 25 बार दावा कर चुके हैं कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के लिए व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप किया था। उन्होंने भारत और पाकिस्तान को धमकी दी है कि अगर उन्होंने युद्ध नहीं रोका, तो वे अमेरिका के साथ व्यापार समझौता नहीं करेंगे।

बंगाल के श्रमिक की महाराष्ट्र में नृशंस हत्या से हड़कंप

कोलकाता। देश में कथित तौर पर बांग्ला विरोध क्रियाकलापों के आरोपों के बीच अब महाराष्ट्र में काम करने वाले एक प्रवासी बंगाली श्रमिक की बेरहमी से हत्या की घटना से हड़कंप मच गया है। उक्त घटना पालघर ज़िले के वासी पुलिस थाना क्षेत्र स्थित वासिगांव की है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान उत्तर 24 परगना जिले के बदुरिया थाना अंतर्गत रूद्रपुर गांव निवासी अबूबकर मंडल (33) के रूप में हुई है। अबूबकर मंडल का शव क्षत-विक्षत शव एक बोरे में बंद नाव से बरामद किया गया। उक्त घटना के बाद मृतक के शव को ताबूत में लपेटकर रात में बदुरिया के रुद्रपुर स्थित उसके घर लाया गया। इलाके में मातम का माहौल है।

महाभियोग की तलवार और स्ष्ट की चौखट

जस्टिस वर्मा कैश कांड में 28 जुलाई को बड़ी सुनवाई

नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट सोमवार, 28 जुलाई को न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा द्वारा दायर रिट याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें उनके खिलाफ तीन न्यायाधीशों के पैनल की रिपोर्ट को खारिज करने की मांग की गई है। न्यायमूर्ति वर्मा ने पिछले हफ़्ते सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर 'नकदी बरामदगी मामले' में उनके खिलाफ तीन न्यायाधीशों के आंतरिक जाँच पैनल के निष्कर्षों को चुनौती दी थी। याचिका में पैनल की रिपोर्ट को खारिज करने की मांग की गई है, जिसमें पुख्ता सबूत मिले थे और साथ ही तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा उनके खिलाफ महाभियोग चलाने की सिफारिश

को भी चुनौती दी गई है। अपनी याचिका में न्यायमूर्ति वर्मा ने तर्क दिया कि जांच में प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन किया गया है तथा आरोप लगाया कि उन्हें निष्पक्ष सुनवाई तथा गवाहों से जिरह करने का अवसर नहीं दिया गया। उन्होंने अपनी याचिका में कहा कि जांच समिति ने गलती से सबूत का भार उन पर डाल दिया, तथा उनसे उस तथ्य को गलत साबित करने को कहा, जिसे समिति ने कल्पना मान लिया था। स्थित आवास पर आग लगने के बाद भारी मात्रा में नकदी मिली थी, जिसके बाद उनके खिलाफ जाँच शुरू की गई। इस बीच, लोकसभा में न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफमहाभियोग प्रस्ताव पेश किया गया है, जिस पर 152 सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं और इसे अध्यक्ष ओम बिरला को सौंपा गया है। कांग्रेस, टीडीपी, जेडीयू, जेडीएस और सीपीएम सहित कई दलों के सांसदों द्वारा समर्थित यह प्रस्ताव एक 'नकदी बरामदगी मामले' और सुप्रीम कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत एक रिपोर्ट से संबंधित है। राज्यसभा में भी पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने की मांग वाला एक प्रस्ताव मिला, जिस पर सोमवार को उनके इस्तीफे से कुछ घंटे पहले 50 से अधिक राज्यसभा सांसदों ने हस्ताक्षर किए थे।

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग को ठहराया जिम्मेदार

'अंपायर पक्षपाती था, इसलिए हारी कांग्रेस'

नईदिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को एक बार फिर भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) पर निशाना साधा और गुजरात विधानसभा चुनावों में पार्टी की लगातार हार के लिए चुनाव आयोग को ज़िम्मेदार ठहराया। पार्टी के 'संगठन सुजन अभियान' शिविर के दौरान आणंद में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए, राहुल ने चुनाव आयोग को 'पक्षपाती' करार दिया और ज़ोर देकर कहा कि गुजरात में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को उसके मुख्य आधार पर हराना ज़रूरी है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) ने पार्टी कार्यकर्ताओं को आश्वासन दिया कि विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों का चयन करने से पहले कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व उनके विचारों पर

विचार करेगा। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व राज्य में अपने कार्यकर्ताओं के साथ खड़ा है। पार्टी के 'संगठन सुजन अभियान' शिविर के बाद, कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राहुल के भाषण की सराहना की, साथ ही चुनाव आयोग और सत्तारूढ़ भाजपा की कड़ी आलोचना की।

कांग्रेस के सुरेंद्रनगर ज़िला प्रमुख नौशाद सोलंकी ने कहा कि राहुल ने अपने संबोधन में दावा किया कि अंपायर पक्षपाती था, जिसके कारण पार्टी 2017 के गुजरात विधानसभा चुनाव हार गई। सोलंकी ने कहा कि क्रिकेट में अगर आप बार-बार आउट हो जाते हैं, तो आप खुद पर शक करने लगते हैं। लेकिन फिर आपको एहसास होता है कि आप अपनी गलती की वजह से आउट नहीं हो रहे हैं। यह अंपायर है जो पक्षपात कर रहा है। राहुल जी ने यह बात कही और हमें आत्मविश्वास दिया। उन्होंने कहा कि हम 2017 के गुजरात चुनाव ईसीआई की संदिग्ध मतदाता सूची के कारण हारे थे।

सोलंकी ने कहा कि राहुल ने देश की तुलना एक मंदिर से भी की, लेकिन दावा किया कि प्रसाद किसे मिलेगा, यह भाजपा और आरएसएस तय करते हैं। उन्होंने कहा, राहुल जी ने ज़ोर देकर कहा कि भाजपा को उसके मुख्य गढ़ गुजरात में हराना बेहद ज़रूरी है। उन्होंने हमें बताया कि पार्टी का मानना है कि हमें उत्तर प्रदेश, बिहार और कुछ अन्य राज्यों में (भाजपा को हराने के लिए) कड़ी मेहनत करनी होगी। उन्होंने कहा कि अगर हम गुजरात में भाजपा को हरा सकते हैं, तो पार्टी को हर जगह हराया जा सकता है। राजकोट कांग्रेस प्रमुख राजदीप सिंह जडेजा ने शिविर के बाद कहा कि राहुल ने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं से विभिन्न शहरों और जिलों में लोगों के सामने आने वाले मुद्दों को उठाने को भी कहा है।

बंगाल का अपराजिता विधेयक अटका

राज्यपाल ने मृत्युदंड को बताया 'असंगत'

नईदिल्ली (एजेंसी)। राजभवन के एक उच्च पदस्थ सूत्र ने बताया कि पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने भारतीय न्याय संहिता में प्रस्तावित बदलावों पर केंद्र द्वारा उठाई गई गंभीर आपत्तियों पर विचार के लिए अपराजिता विधेयक को राज्य सरकार के पास वापस भेज दिया है। सूत्र ने बताया कि केंद्र ने अपनी टिप्पणी में पाया कि सितंबर 2024 में विधानसभा में पारित अपराजिता महिला एवं बाल (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून संशोधन) विधेयक, भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं के तहत बलात्कार के लिए सजा में बदलाव की मांग करता है जो अत्यधिक कठोर और असंगत हैं। हालांकि, राज्य सरकार ने कहा कि उसे विधेयक के कुछ प्रावधानों पर अपनी टिप्पणियों के संबंध में केंद्र सरकार या राज्यपाल कार्यालय से अभी तक कोई सूचना नहीं मिली है। विधेयक में बलात्कार के लिए सजा को बीएनएस के तहत मौजूदा न्यूनतम 10 वर्ष से बढ़ाकर शेष जीवन के लिए आजीवन कारावास या मृत्यु तक करने का प्रस्ताव है। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने विधेयक के कई प्रावधानों को समस्याग्रस्त बताया है। गृह मंत्रालय की टिप्पणी पर गौर करने के बाद, राज्यपाल ने उन्हें उचित विचार के लिए राज्य सरकार के पास भेज दिया है।

सूरजपुर में भारी बारिश से हाहाकार, किसानों की मेहनत डूबी, हाइड्रो पावर प्लांट बना तबाही की वजह

सूरजपुर/भैयाथान/मूक पत्रिका

जिले में लगातार हो रही भारी बारिश ने आम जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। गांव-गांव में जलभराव की स्थिति बनी हुई है, वहीं सबसे बड़ा झटका किसानों को लग रहा है। खेतों में खड़ी फसलें पानी में समा चुकी हैं और किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया है।

हाइड्रो पावर प्लांट बना किसानों की तबाही का कारण-भैयाथान क्षेत्र में बिजली उत्पादन के लिए संचालित हाइड्रो पावर प्लांट अब किसानों की बर्बादी की वजह बनता जा रहा है। प्लांट द्वारा पानी रोकने और बहाव नियंत्रित करने में लापरवाही बरती जा रही है, जिसके चलते सत्यनगर सहित करीब 10 गांवों के किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। चारों ओर पानी ही पानी है खेत डूब गए हैं, धान के थहरों की हालत बदहाल है।

न धान रोप पाए, न जो रोप चुके थे वो बच पाए-तेज़ बारिश और जलजमाव के कारण न केवल धान की रोपाई प्रभावित हुई है, बल्कि जो फसलें लगाई जा चुकी थीं, वे भी बर्बादी के कगार पर पहुंच चुकी हैं। इस डुबान से लाखों का नुकसान बताया जा रहा है, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम अब तक नहीं उठाया गया।

जनपद प्रतिनिधि अभय प्रताप सिंह ने उठाई आवाज-पूर्व जनपद सदस्य एवं वर्तमान जनपद प्रतिनिधि अभय प्रताप सिंह ने इस गंभीर स्थिति पर नाराज़गी जताते हुए तत्काल प्रभाव से जांच कराने और प्रभावित किसानों को मुआवज़ा देने की मांग की है। उन्होंने साफ कहा कि यह प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि मानव निर्मित लापरवाही का नतीजा है, जिसकी पूरी जवाबदेही संबंधित हाइड्रो पावर प्लांट पर बनती है।

प्लांट प्रबंधन पर गंभीर सवाल-एक ओर किसान तबाही झेल रहे हैं, वहीं दूसरी ओर हाइड्रो प्लांट के अधिकारी कुंभकर्णी नींद में सोए हैं। ना तो किसी ने मौके पर आकर स्थिति का जायज़ा लिया और ना ही राहत की कोई व्यवस्था की गई।

अब सवाल ये है कि क्या प्रशासन और जिम्मेदार विभाग किसानों के दर्द को समझेंगे? या फिर हर बार की तरह सब कुछ फाइलों में ही दफन कर दिया जाएगा?

महारानी अस्पताल जगदलपुर में बीसीएलएस एवं एसीएलएस कार्यशाला का हुआ आयोजन

हैदराबाद के विशेषज्ञों ने गम्भीर दुर्घटनाओं से होने वाली अकाल मौत को रोकने सम्बन्धी क्रिटीकल केयर को किया साझा

जगदलपुर/मूक पत्रिका

कलेक्टर हरिस एस के मार्गदर्शन में बस्तर अंचल के सबसे पुराने महारानी अस्पताल में बीते शनिवार को बीसीएलएस और एसीएलएस जीवनरक्षक प्रक्रियाओं के प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन स्वास्थ्य विभाग और यशोदा हॉस्पिटल हैदराबाद के सहयोग से आयोजित किया गया। इस कार्यशाला में हैदराबाद के यशोदा हॉस्पिटल के क्रिटिकल केयर डिपार्टमेंट के एचओडी डॉ. कलाधर एस और उनके सहयोगी मैनेजर रवि यादव के द्वारा गंभीर दुर्घटनाओं जैसे रोड एक्सीडेंट, करंट लगने, पानी में डूबने जैसी स्थिति में होने वाली अकाल मौत को रोकने के लिए तात्कालिक तौर पर किए जाने वाले प्रक्रिया को बेहद सरल और प्रभावशील तरीके से साझा किया गया। इस दौरान बस्तर जिले के जिला अस्पताल (महारानी अस्पताल) समेत जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में सेवारत चिकित्सक, ग्रामीण चिकित्सा सहायक और स्टाफ नर्सों को उक्त सम्बन्ध में विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया, ताकि दुर्घटनाओं में होने वाली अकाल मौत पर अंकुश लगाया जा सके। इस अवसर पर बेसिक लाइफ सपोर्ट के बारे में भी उपस्थित सभी प्रतिभागियों को समझाया गया। मानसून काल होने की वजह से बस्तर जैसे वनाच्छादित क्षेत्र में सर्पदंश से होने वाली अकाल मौतों पर भी लगाम लगाए जाने के उद्देश्य से उन्हें प्राथमिक तौर पर दिए जाने वाले उपचार के बारे में भी उपस्थित सभी प्रतिभागियों को जानकारी दी गई।

कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष में कार्यक्रम का आयोजन

बीजापुर/भानपुरी/मूक पत्रिका

कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ के अवसर पर मेरा युवा भारत बस्तर (छ. ग़) द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस, शौर्य और बलिदान को श्रद्धांजलि देने हेतु किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से की गई। इसके पश्चात मुख्य अतिथि, भानपुरी थाना प्रभारी हर्ष कुमार धुरंधर ने कारगिल युद्ध में वीरगति को प्राप्त हुए शहीदों को नमन करते हुए उनके बलिदान को याद किया। युवाओं द्वारा देशभक्ति नारा लगाया गया इसके अतिरिक्त ÷वीर जवानों को सलाम किया । विषय पर आधारित एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि देश की सुरक्षा में लगे जवानों के बलिदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। हमें उनके योगदान से प्रेरणा लेनी चाहिए और देश सेवा के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों को शील्ड सर्टिफिकेट एवं सम्मानित अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

नाबालिक छात्रा के दोषियों पर पर्दा डालने की कोशिश- विधायक सावित्री मंडावी का आरोप

कांग्रेस की जांच समिति ने किया छात्रावास का निरीक्षण, प्रेस वार्ता में उठाए कई गंभीर सवाल

बीजापुर /मूक पत्रिका

भोपालपटनम के कन्या छात्रावास में 12वीं कक्षा की एक नाबालिग आदिवासी छात्रा के गर्भवती पाए जाने के मामले में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। शनिवार को भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मंडावी के नेतृत्व में गठित कांग्रेस की नौ सदस्यीय जांच समिति ने छात्रावास का दौरा किया और छात्राओं, अधीक्षक, प्राचार्य, डॉक्टर और अन्य संबंधित अधिकारियों से घटना की विस्तृत जानकारी ली। बीजापुर जिला मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में विधायक सावित्री मंडावी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पूरे मामले में लापरवाही की गई है और अब दोषियों को बचाने की कोशिश की जा रही है। छात्रा को जबरन घर भेजने का दबाव बनाया गया और परिजनों को डराया- धमकाया गया।मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है जिसके चलते अब तक किसी भी अधिकारी पर कार्यवाई नही की गई है।यह दर्शाता है कि भाजपा सरकार की डबल इंजन व्यवस्था में महिलाएं और बेटियां तक सुरक्षित नहीं हैं। कांग्रेस प्रतिनिधियों को पीड़िता से नहीं मिलने दिया गया. विधायक मंडावी ने बताया कि जांच समिति को जानबूझकर पीड़िता और उसके परिजनों से मिलने नहीं दिया गया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि प्रशासन सच्चाई छुपाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने सरकार से मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

विधायक विक्रम मंडावी का बयान-बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी ने भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा अब तक प्रशासन ने क्या कार्रवाई की है, यह जनता को बताया जाए। यदि ऐसी घटनाओं पर तत्काल प्रभाव से रोक नहीं लगाई गई, तो कांग्रेस पार्टी ग्रामीणों के साथ मिलकर उग्र आंदोलन करेगी।

जांच समिति में ये सदस्य रहे शामिल

कांग्रेस की इस नौ सदस्यीय जांच समिति में सावित्री मंडावी के अलावा पूर्व मंत्री देवती कर्मा, प्रदेश कांग्रेस महामंत्री नीना रावतिया, सरिता चापा, गीता कमल, निर्मला मरपल्ली, रिंकी कोरम, पार्वती कश्यप और अनिता तेलम शामिल थीं। समिति के साथ महिला कांग्रेस की कार्यकर्ता और अन्य स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

साथ ही प्रेस वार्ता में जिला कांग्रेस अध्यक्ष लालू राठौर, दंतेवाड़ा जिला पंचायत सदस्य सुलोचना कर्मा सहित कई अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नक्सली इलाके में विकास की दस्तक : हिड़मा के गांव पूवर्ती में बस्तर का पहला बेली ब्रिज तैयार, पांच से अधिक गांवों को होगा सीधा फायदा

बीजापुर/सुकमा /मूक पत्रिका

बस्तर के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में विकास की एक नई तस्वीर उभर कर सामने आई है। वर्षों तक माओवादी गतिविधियों का गढ़ रहे गांव पूवर्ती – जो कुख्यात नक्सली कमांडर हिड़मा का गृहग्राम माना जाता है –

अब बेली ब्रिज के जरिए मुख्यधारा से जुड़ गया है। सिलगेर से पूवर्ती के बीच बने इस बेली ब्रिज के निर्माण को बस्तर में विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। ब्रिटिश सेना के अधिकारी डोनाल्ड बेली द्वारा द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान डिजाइन किया गया यह बेली ब्रिज अब बस्तर के घने जंगलों में उपयोग में लाया जा रहा है। खास बात यह है कि यह ब्रिज भारी वाहनों की आवाजाही के लिए पूरी तरह सक्षम है, जिससे बारिश के मौसम में भी आवागमन बना रहेगा। इस पुल के निर्माण से न केवल पूवर्ती, बल्कि इसके आसपास के पांच से अधिक गांवों को भी सीधा लाभ मिलेगा। स्थानीय निवासियों के लिए यह ब्रिज राहत का माध्यम बनेगा, वहीं सुरक्षा बलों के मूवमेंट को भी इससे गति मिलेगी।

नक्सल प्रभाव के बीच हो रहा निर्माण-गौरतलब है कि सिलगेर से पूवर्ती तक 64 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण कार्य बीआरओ (सीमा सड़क संगठन) द्वारा किया जा रहा है, जिसकी लागत 66 करोड़ रुपये निर्धारित है। यह परियोजना केंद्र सरकार के विशेष रणनीतिक योजना के तहत चल रही है। यह क्षेत्र लंबे समय से हिड़मा और उसके साथी देवा जैसे नक्सली कमांडरों का प्रभाव क्षेत्र रहा है। लेकिन हाल के महीनों में सुरक्षाबलों के कैंप खुलने और लगातार दबाव के चलते माओवादी बैकफुट पर आ गए हैं। ऐसे में इस ब्रिज का निर्माण न केवल रणनीतिक दृष्टि से अहम है, बल्कि यह इलाके में स्थायी शांति और विकास की उम्मीदों को भी बल देता है।

स्थानीय लोगों में उत्साह-बेली ब्रिज बनने के बाद अब पूवर्ती जैसे दूरस्थ और दुर्गम गांवों में आवश्यक वस्तुएं, स्वास्थ्य सेवाएं और शैक्षणिक संसाधन भी आसानी से पहुंच सकेंगे। स्थानीय ग्रामीणों ने इसे ÷विकास का पुल÷ बताते हुए प्रशासन और सरकार के प्रयासों की सराहना की है।

इंजीनियर-ठेकेदार के बीच कमीशन विवाद का वीडियो वायरल, सब इंजीनियर निलंबित

कांकेर /मूक पत्रिका

डबल इंजन की सरकार में भ्रष्टाचार खत्म करने के बड़े-बड़े दावों के बीच एक बार फिर कमीशनखोरी का खेल उजागर हुआ है। कांकेर जिले के दुर्गुकोंदल ब्लॉक में एक शासकीय भवन की मरम्मत को लेकर इंजीनियर और ठेकेदार के बीच पैसों के लेन-देन का वीडियो वायरल हो गया है, जिससे शासन-प्रशासन में हड़कंप मच गया है। वीडियो के सार्वजनिक होते ही सब इंजीनियर बुधपाल वासनिक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

कमीशन को लेकर खुला झगड़ा –मामला मावा मोदोल स्थित शासकीय लाइब्रेरी भवन की मरम्मत का है, जिसमें ठेकेदार और सब इंजीनियर के बीच भुगतान और कमीशन को लेकर पंचायत प्रतिनिधियों के सामने तीखी बहस और गाली-गलौज तक हुई। वायरल वीडियो में इंजीनियर को ठेकेदार को रुपये लौटाते हुए भी देखा जा सकता है, जो खुद इस लेन-देन की पुष्टि करता है। यह घटना सरकारी निर्माण कार्यों में पारदर्शिता की भारी कमी और सिस्टम में गहरे बैठे भ्रष्टाचार को उजागर करती है। जिस उद्देश्य से सरकारें पारदर्शिता और जवाबदेही के नारे देती हैं, वह इस प्रकरण में खोखले प्रतीत होते हैं।वीडियो के वायरल होते ही जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी ने कार्रवाई करते हुए सब इंजीनियर को निलंबित कर दिया। मंडावी ने स्पष्ट किया कि सरकारी कार्यों में किसी भी तरह की अनियमितता या भ्रष्ट आचरण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आगे जांच कर अन्य दोषियों पर भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।÷ घटना के बाद सोशल मीडिया पर कुछ लोग इंजीनियर के बचाव में उतर आए हैं, और इसे ठेकेदार द्वारा रची गई साजिश बता रहे हैं। हालांकि वायरल वीडियो में दोनों के बीच कमीशन को लेकर साफ-साफ विवाद होता दिखाई दे रहा है, जिससे मामले की गंभीरता पर कोई संदेह नहीं रह जाता। अब सवाल यह है कि क्या यह मामला वास्तव में जांच के बाद न्याय की दिशा में आगे बढ़ेगा, या फिर यह भी पिछले मामलों की तरह समझौते और दबाव में समाप्त हो जाएगा? इस प्रकरण ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि भ्रष्टाचार पर केवल भाषणों से नहीं, कठोर कार्रवाई से ही लगाम लग सकती है। यह घटना केवल एक इंजीनियर और ठेकेदार के बीच का विवाद नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का पर्दाफाश है जहां ÷काम से पहले दाम÷ की संस्कृति बन चुकी है। जरूरत है शासन की ओर से स्पष्ट और कठोर संदेश देने की ताकि सरकारी योजनाएं जनता तक पूरी ईमानदारी से पहुंच सकें।

मुख्य सचिव अभिताभ जैन ने किया सभी स्टालों का निरिक्षण : प्रोजेक्ट छाँव का किया सरहाना, जिला प्रशासन अपने कर्मचारियों के लिए छांव की तरह काम कर रहा है :- कलेक्टर डॉ गौरव

प्रोजेक्ट छाँव : पशु सखी से लेकर जिला पंचायत सीईओ तक सभी ने परिजनों साथ कराया स्वास्थ्य जाँच

रायपुर /मूक पत्रिका

बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम का नज़ारा आज अद्भुत था 7 स्टेडियम के मध्य में पंजीयन करने वालो की कतार लगी हुए थी उसके पश्चात चिकित्सिक परामर्श हुआ बीपी शुगर सहित अन्य परिक्षण हुए 7 स्टेडियम के चारो किनारो में विभिन अस्पतालों के विशेषज्ञ बैठे हुए थे वह भी ऐसे परीक्षण जो आम जनता के महंगे माने जाते है और दुर्लभ भी है 7 यह मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन रायपुर द्वारा शुरू किये गए ÷प्रोजेक्ट छाँव÷ के तहत जिला पंचायत के अधिकारी कर्मचारी ने अपने परिवार सहित चिकित्सा का लाभ लिया 7 इसमें पशु सखी, पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, जनपत सीईओ, जिला पंचायत सीईओ हुए 7 यह परीक्षण सुबह 9 बजे से प्रारंभ हुआ जिसमे 1279 अधिकारी कर्मचारी एवं परिजन स्वास्थ्य जांच करवाई 7 जब वे घर वापिस लौटे तब उनके हाथो में फइल और चहेरे में ख़ुशी साफ़ झलक रही थी उन्होंने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया 7 इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य सचिव अमिताभ जैन शामिल हुए एवं इस ÷प्रोजेक्ट छाँव÷ की सरहाना की मुख्य सचिव जैन ने अपने संबोधन में कहा कि यह बहुत अच्छी पहल है मुख्यमंत्री के निर्देश पर शासकीय अधिकारी कर्मचारियों के लिए प्रोजेक्ट छाँव के तहत स्वास्थ्य परीक्षण कराया जा रहा है 7 यह ऐसा अवसर है जहा सब मिलकर इस समस्या का निराकरण करते है उनका और उनके परिजनों का देखरेख किया जा रहा है 7 जैन ने अपील की सभी अधिकारी कर्मचारियों अपना परीक्षण करवाए और अपने परिवार का ख्याल रखे .कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने कहा की यह मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन कर्मचारियों के लिए छाँव की तरह काम कर रहा है 7 उन्होंने कहा की हमारे अधिकारी कर्मचारी शासन के योजनाओ के क्रियान्वन के लिए कार्य करते है वे कार्य के कारण अपना और अपने परिजनों का ध्यान नहीं रख पाते है 7 मुख्यमंत्री की मंशा है शासकीय अधिकारी कर्मचारी और उनके परिजनों का ख्याल रखा जाए .इस अवसर पर मुख्य सचिव जैन ने सभी हेल्थ काउंटरों, बालको मेडिकल सेंटर की मोबाइल कैंसर डिटेक्शन वैन का भ्रमण कर जानकारी ली । शिविर में जांच कराने आई पंचायत सचिव श्रीमती पुष्पा गोस्वामी ने बतया की मैं अपने साथी कर्मचारियों के साथ यहाँ ÷प्रोजेक्ट छाँव÷ के अंतर्गत अपना शुगर, बीपी, ब्लड जांच करवाई हूं 7 इस पहल के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त करती हूँ . जनपद पंचायत आरंग के भृत्य रामजी निर्मलकर ने बताया मैंने इस परिक्षण में श्वष्टत्न, सोनोग्राफी, शुगर, बीपी और ब्लड का जांच करवाया हूं 7 और प्रोजेक्ट छांव बहुत अच्छी पहल है और मैं इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने हम सरकारी कर्मचारियों के लिए यह योजना चलाई है जिसका लाभ आज मैं ले रहा हूं .इस शिविर में विशेष रूप से मैमोग्राफी, सोनोग्राफी, टीबी जांच, बोन डेंसिटी चेक, ईसीजी, इको, ब्लड टेस्ट किया गया 7 महिलाओं के लिए मैमोग्राफी जांच :- मैमोग्राफी (Mammography) एक विशेष प्रकार की एक्स-रे जांच है जो महिलाओं की स्तनों (ब्रेस्ट्स) की जांच के लिए की जाती है। इसका मुख्य उद्देश्य स्तन कैंसर की प्रारंभिक अवस्था में पहचान करना होता है, जब लक्षण अभी दिखाई नहीं देते हैं। सोनोग्राफी (Sonography) एक गैर-विकिरण आधारित जांच है जिसमें ध्वनि तरंगों का उपयोग कर शरीर के अंदरूनी अंगों की छवि बनाई जाती है। जिससे बीमारी का पता लगाया जा सके। इको हार्ट की सोनोग्राफी है :- इसमें हाई-फ्रीक्वेंसी साउंड वेव्स का उपयोग कर दिल की धड़कन, वाल्व्स, चेम्बर्स और ब्लड फ्लो को देखा जाता है। श्वष्टत्न मशीन आपके शरीर पर लगाए गए इलेक्ट्रोड्स के माध्यम से दिल की धड़कनों को रिकॉर्ड करती है। इससे पता चलता है कि आपका दिल कितनी नियमितता से और कितनी तेज़ी से धड़क रहा है, और क्या उसमें कोई रुकावट या गड़बड़ी है। शिविर में श्वष्टत्न, सोनोग्राफी, ECO, ब्लड सैंपल, साथ ही RFT, LFT, Vitamin Dx, Bvw, HbAv, Sugar Random सहित अन्य जांच किया गया 7 ओपीडी में शिशु रोग, दंत रोग, नेत्र रोग, कैंसर रोग, मेडिसिन, किडनी रोग, न्यूरोलॉजी, मेंटल हेल्थ, गैस्ट्रोलॉजी, स्त्री रोग, कार्डियोलॉजी, जनरल एंड लेमोस्कोपी सर्जरी परामर्श, BMD टेस्ट, अस्थि रोग, सहित अन्य विभाग के परामर्श किया गया 7 इस अवसर पर पंचायत विभाग के सचिव डॉ भीम सिंह, डीआरएम रेलवे दयानंद, मनरेगा आयुक्त तारण प्रकाश सिन्हा, SRLM एवं SBM की एमडी श्रीमती जयश्री जैन, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, सीएमएचओ डॉ मिथिलेश चौधरी और बालको हॉस्पिटल कि डॉ. भावना सिरोही सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वामी आत्मानंद स्कूल में शिक्षा और सुविधा संबंधी समस्याओं पर गंभीर हुई जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना योगेश तिवारी, कलेक्टर को भेजा पत्र

बेमेतरा/देवकर/मूक पत्रिका

जिला पंचायत बेमेतरा की अध्यक्ष श्रीमती कल्पना योगेश तिवारी ने बीते शनिवार को स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल, बेरला का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक, संरचनात्मक और बुनियादी समस्याओं को गंभीरता से लिया और मौके पर ही जिला कलेक्टर को के पत्र भेजते हुए त्वरित कार्यवाही की मांग की। जिला पंचायत सीईओ, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ एक संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी, और समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया जाएगा निरीक्षण में शिक्षकों की भारी कमी, वेतन फंड की समस्या, किचन शेड व भोजन कक्ष का अभाव, साइकिल स्टैंड की अनुपलब्धता, तथा कक्षा कक्षों की कमी जैसी समस्याएं सामने आई। उन्होंने स्पष्ट किया कि इतनी बड़ी संख्या में बच्चों के लिए पर्याप्त संसाधनों की उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है।

अध्यक्ष तिवारी का वक्तव्य –÷स्वामी आत्मानंद स्कूल जैसे महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थान में किसी भी बच्चे को संसाधनों की कमी के कारण शिक्षा से वंचित नहीं होने दिया जाएगा। इन समस्याओं को मैंने प्राथमिकता देते हुए कलेक्टर महोदय को पत्र लिखकर शीघ्र निराकरण का आग्रह किया है।÷ उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले दिनों में जिला पंचायत सीईओ, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ एक संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी, ताकि जिले की सभी शैक्षणिक और मूलभूत समस्याओं का स्थायी समाधान हो सके।

लगातार पंचायतों का दौरा कर रहीं हैं तिवारी –श्रीमती कल्पना योगेश तिवारी इन दिनों जिले की विभिन्न पंचायतों का दौरा कर विद्यालयों की स्थिति, स्वास्थ्य सुविधाएं, किसानों को मिलने वाली खाद-दवाई और बिजली आपूर्ति जैसी जनहित की समस्याओं का जमीनी जायजा ले रही हैं। हर स्थान पर जनता की समस्याएं सुनकर, वे प्रशासनिक स्तर पर समाधान सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। उनकी इस सक्रियता और संवेदनशीलता को लेकर स्थानीय जनता और शिक्षकों में आशा की नई किरण जगी है कि अब स्कूल की समस्याओं का शीघ्र निराकरण होगा और विद्यार्थियों को एक बेहतर शिक्षण वातावरण मिलेगा।

डण्डा, राड से हत्या करने के नियत प्राणघातक हमला करने वाले 05 आरोपियों को किया गिरफ्तार थाना मुलमुला पुलिस की त्वरित कार्यवाही

प्रकरण में शामिल 04 विधि विरुद्ध संघर्षरत बालको को किशोर न्यायालय पेश उपरांत बाल संप्रेक्षण भेजा गया

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

मामले में आरोपियों के विरूद्ध धारा 191(2), 296,331(8), 109 बीएनएस के तहत की गई कार्यवाही। मामले में आरोपियों द्वारा दिनांक 24.07.2025 तनीश पटेल के साथ हुये वाद विवाद की बात को लेकर रंजिश रखते हुए एक राय होकर राड, डण्डा, बेल्ट लेकर आहत के घर के पास जाकर अश्लील गाली गलौच करते हुए देते हुये घर अंदर घुसकर जान सहीत खत्म कर देगे कहकर धमकी देते हुये प्रार्थिया एवं उनके परिवार वाले को हत्या करने की नियत से प्राण घातक हमला किए। प्रार्थिया अमीषा पटेल निवासी कोनारगढ़ थाना मुलमुला की सूचना रिपोर्ट पर आरोपियों के विरुद्ध थाना मुलमुला में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप एवं एसडीओपी प्रदीप कुमार सोरी के कुशल मार्ग दर्शन में थाना प्रभारी मुलमुला पारस पटेल द्वारा आरोपियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को पकड़ा। गिरफ्तार आरोपी 1. अजय केंवट 2. नितिश यादव उर्फरज यादव 3. प्रदीप पटेल 4. रामनारायण साहू उर्फ रामा 5. अरूण साहू उर्फ रामा साहू सभी निवासी कोनारगढ थाना मुलमुला। विवेचना दौरान आरोपियों के विरुद्ध अपराध धारा सदर का सबूत पाए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में भेजा गया एवं प्रकरण में शामिल विधी से संघर्षरत 04 बालक को विधिवत किशोर न्यायालय पेश उपरांत बाल संप्रेषण गृह भेजा जा चुका है।

राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतने वाली लेखा नेताम को कलेक्टर ने दी शुभकामनाएं

कोंडागांव/मूक पत्रिका

कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना से गत दिवस राष्ट्रीय खेल कूद प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतने वाली जूडो खिलाड़ी लेखा नेताम ने सौजन्य मुलाकात की। कलेक्टर ने उनकी उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दी और उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

उन्होंने कहा कि खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने हेतु जिला प्रशासन द्वारा उन्हें आवश्यक सहयोग दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि बंधापारा कोंडागांव निवासी केंद्रीय विद्यालय कोंडागांव के कक्षा 10वीं की छात्रा कु. लेखा नेताम ने 16 जुलाई से 20 जुलाई तक नोएडा में आयोजित 54वें केंद्रीय विद्यालय संगठन राष्ट्रीय खेलकूद 2025 प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल हासिल किया है। वे आगे एसजीएफआई में भाग लेंगी। वे पिछले 04 सालों से जूडो खेल रही है। आईटीबीपी 41 बीएन के कमांडेंट नरेंदर सिंह के मार्गदर्शन में जवान नारायण सोरेन एवं उदय सिंह द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है। खेल के क्षेत्र में उनके पिता दशरथ नेताम और माता लक्ष्मी नेताम का भी काफी सहयोग मिलता है।

पामेड़-चेरला मार्ग का अस्थायी पुल बाढ़ में बहा, दर्जनभर गांव मुख्यालय से कटे

बीजापुर/मूक पत्रिका

लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जिले के जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। तर्रेम से पामेड़ होते हुए तेलंगाना के चेरला को जोड़ने वाला अस्थायी पुल बाढ़ की तेज धार में बह गया। इस पुल के बह जाने से जीडपल्ली, धर्मारम, छुड़वाई, कोंडापल्ली, पामेड़ सहित करीब दर्जनभर गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क पूरी तरह टूट गया है। यह अस्थायी पुल पामेड़ से होकर धरमारम और जीडपल्ली के बीच बनाया गया था, जो 48 किलोमीटर लंबे मार्ग को जोड़ता था। पुल का एक हिस्सा जीडपल्ली कैम्प से करीब 500 मीटर की दूरी पर बह गया है। अब इस पूरे मार्ग पर आवागमन पूरी तरह ठप हो चुका है। क्षेत्र में निर्माणाधीन सड़कें कीचड़ में बदल चुकी हैं।जिसके कारण बाइक, कार जैसे छोटे वाहन फंसकर रहे हैं। निर्माणाधीन मार्ग से फंसी गाड़ियों को निकालने के लिए जेसीबी और पोकलेन मशीनों की मदद ली जा रही है। सुरक्षा की दृष्टि से भी यह माओवाद प्रभावित मार्ग बेहद अहम माना जाता है जिसकी जिम्मेदारी बॉर्डर रोड आर्गेनाईजेशन को सौंपी गई है। । तरेम से पामेड़ तक सड़क सुरक्षा हेतु सात सुरक्षा बल कैम्प–चिन्नागेल्लूर, छुड़वाई, कोंडापल्ली, कवरगट्टा, जीडपल्ली-1, जीडपल्ली-2 और धरमारम स्थित हैं। लेकिन संपर्क टूटने से इन कैम्पों के बीच आवागमन में कठिनाई उत्पन्न हो गई है, जिससे सुरक्षा संचालन भी प्रभावित हो सकता है।ग्रामीणो ने मांग की है कि जल्द से जल्द वैकल्पिक पुल या मार्ग की व्यवस्था की जाए ताकि आवागमन सुचारु हो सके और जनजीवन सामान्य हो।

प्रधानमंत्री की मन की बात कार्यक्रम आज

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी जांजगीर चांपा के जिला उपाध्यक्ष एवं मन की बात कार्यक्रम के जिला संयोजक विवेका गोपाल ने बताया कि आज 27 जूलाई दिन रविवार को प्रातः 11:00 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का प्रसारण किया जाएगा उन्होंने भारतीय जनता पार्टी जिले के समस्त मंडल अध्यक्ष महामंत्री एवं अपने-अपने मंडल के बुथ अध्यक्ष से मन की बात कार्यक्रम का आयोजन करने को कहा है उन्होंने भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं को सूचना देकर मन की बात कार्यक्रम को गांव के गुड़ी ,चौपाल या सार्वजनिक स्थान पर भाजपा कार्यकर्ता के घर पर आम जनता के साथ एकत्रित होकर कार्यक्रम को करने को कहा है प्रधानमंत्री अपने मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से देश के विभिन्न हिस्सों में किये जा रहे उल्लेखनीय कार्यों का विशेष तौर पर उल्लेख करते हैं मन की बात सुनने के पश्चात बूथ केंद्र पर बुथ की आवश्यक संगठनात्मक बैठक भी वहीं करे।

प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से जीवन शैली सहज और संभव होगा - शत्रुहन साहू

बेमेतरा/मूक पत्रिका

लगातार बढ़ते आधुनिकता और केमिकल युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन से आम जनों के जीवन में जो अनेकों प्रकार की रोग हो रहे हैं जिनके वजह से लाखों करोड़ों रुपए आम नागरिकों की गाढी कमाई को ले डूबता हैं। नतिजन अच्छा भला हंसता खेलता परिवार बर्बाद हो जाता है। इन्हीं सब कारणों के लिए एक विशेष प्रयास स्व. राजीव दीक्षित जी के स्मृति में बेमेतरा कृषि उपज मंडी प्रांगण में तत्त्वम ग्रुप चिकित्सालय मुंगेली नैचरोपैथी पद्धति द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला आज 27/07/25 दिन रविवार समय दोपहर 12:00 से शाम 4:00 बजे तक आयुर्वेदाचार्य माननीय प्रशांत वैस जी राष्ट्रीय संयोजक वैश्विक मंच संपूर्ण भारत एवं डायरेक्टर तत्वम ग्रुप चिकित्सालय घोरपूरा मुंगेली छत्तीसगढ़ द्वारा रखा गया है इसका मुख्य उद्देश्य यह है कि विश्व क्रांति एवं स्वास्थ्य क्रांति की सपना को साकार करने हेतु प्रत्येक मानव को अपने जीवन शैली में बदलाव करते हुए स्वास्थ्य वह स्वालंबन की मार्ग को अपनाते हुए हर गांव व शहर से स्वालंबन से ग्राम स्वराज योजना की सपना को साकार करते हुए जीवन जीना है अतः आप सभी बेमेतरा जिला वासियों से ही करबद' निवेदन है कि अपने बहुमूल्य समय निकालकर इस आयोजन को सफल एवं भव्य बनावे ताकि हम और आप अपने जीवन को दीघार्य एवं स्वस्थ बनाये ।

जिला व पुलिस प्रशासन की अभिनव पहल "सामंजस्य कार्यक्रम"

- महिला एवं बाल सुरक्षा, पारिवारिक एकता और सामाजिक समरसता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम

मुंगेली /मूक पत्रिका

पारिवारिक संबंधों को सुदृढ़ करना, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा समाज में समरसता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला एवं पुलिस प्रशासन द्वारा अभिनव पहल ''सामंजस्य कार्यक्रम'' का जिला कलेक्टोरेट स्थित जनदर्शन कक्ष में आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से परिवारों को टूटने से बचाने, आपसी सामन्जस्य स्थापित कर अपने परिवार के साथ रहने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भारत माता एवं छत्तीसगढ़ महतारी की छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की गई। इस दौरान कलेक्टर कुन्दन कुमार, पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, अतिरिक्त कलेक्टर निष्ठा पांडेय तिवारी, जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पांडेय, अपर कलेक्टर मेनका प्रधान, जिला शिक्षा अधिकारी सी.के. घृतलहरे तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी संजुला शर्मा, जिला बाल संरक्षण अधिकारी अंजुबाला शुक्ला और काउंसलर टीम के सदस्य मौजूद रहे। इस अवसर पर लगभग 10 परिवारों को आपसी सामंजस्य बातचीत कर परिवार के बीच जोड़ने में अहम भूमिका निभाया गया।

समस्याएं सबके घरों में होती हैं, समाधान संवाद से संभव - कलेक्टर– कलेक्टर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पारिवारिक समस्याएं हर घर में होती हैं, लेकिन संवाद और समझदारी से उन्हें सुलझाया जा सकता है। उन्होंने मोबाइल, सोशल मीडिया और नशे को परिवार टूटने का एक बड़ा कारण बताया। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी रील्स और दिखावे की दुनिया में जी रही है, जबकि परिवार वह असली दुनिया है जहां समझदारी, धैर्य और समय देना सबसे अहम है। उन्होंने कहा कि आज भाई-बहन, पति-पत्नी, माता-पिता, सास-ससुर, दादा-दादी जैसे रिश्ते संवाद की कमी और डिजिटल व्यस्तता की वजह से बिखरते जा रहे हैं। हमें अपनी संस्कृति, परंपराओं और मानवीय मूल्यों की ओर लौटने की जरूरत है। फेसबुक के हजारों दोस्त मुश्किल वक्त में साथ नहीं होते, लेकिन घरवाले हमेशा साथ रहते हैं।

समय ही सबसे बड़ा धन - पुलिस अधीक्षक–पुलिस अधीक्षक ने जीवन और प्रकृति के सामंजस्य की तुलना करते हुए कहा कि प्रकृति हमेशा संकेत देती है, जैसे बारिश से पहले बादलों की गरज। उन्होंने कहा कि समय सबसे कीमती पूंजी है जो अगर रिश्तों को नहीं दिया गया, तो जीवन अधूरा हो जाता है। मोबाइल आज सौतेला जैसा हो गया है। जिसे समय देना चाहिए, हम उसी को नहीं दे पा रहे हैं। परिवार ही सबसे बड़ा बल है, और सबसे बड़ा संबल भी है। रिश्ते माँ की तरह होते हैं। उन्हें पोषण चाहिए, और वह संभव है केवल समय, संवाद और संवेदना से।

सामंजस्य सिर्फपरिवार तक सीमित नहीं – जिला पंचायत सीईओ– जिला पंचायत सीईओ पांडेय ने कहा कि जीवन के हर चरण में सामंजस्य की आवश्यकता होती है। चाहे वह माता-पिता के साथ हो, स्कूल में सहपाठियों के साथ, कॉलेज में दोस्तों के साथ या फिर विवाह के बाद जीवनसाथी के साथ। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे मुद्दे अक्सर जीवन को इतना कठिन बना देते हैं कि लोग जीवन से हार मानने लगते हैं। कलेक्टर जनदर्शन में आने वाले कई मामलों में केवल संवाद की कमी होती है। मुकदमे भी सामंजस्य के अभाव में ही खड़े होते हैं। प्रशासन का प्रयास है, कि ऐसी स्थितियों को बातचीत से ही हल किया जाए। अपर कलेक्टर तिवारी ने बताया कि विवाह हेतु कम उम्र के लोगों के आवेदन बढ़ रहे हैं, लेकिन कई बार उनमें पारिवारिक सामंजस्य की कमी होती है। संयुक्त परिवारों की परंपरा कमजोर पड़ने के कारण भी समस्याएं बढ़ रही हैं। प्रधान ने कहा कि संवाद ही हर समस्या का समाधान है। बड़ी से बड़ी समस्या को भी बातचीत और समझदारी से सुलझाया जा सकता है। जिला शिक्षा अधिकारी ने पारिवारिक विघटन के विभिन्न कारणों की चर्चा करते हुए कहा कि विचारधारा, जीवनशैली, आर्थिक स्थिति और सामाजिक दबाव भी कारण हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि मनुष्य समूह में जीने वाला प्राणी है, अकेले रहने से असंतुलन उत्पन्न होता है। उन्होंने कहा कि सदियों से मानव समाज एकजुट रहकर फलता-फूलता आया है, हमें भी अपने बच्चों को ऐसे वातावरण में पालना चाहिए जहाँ संवाद और सामंजस्य हो। महिला बाल विकास विभाग की अधिकारी ने कहा कि यह कार्यक्रम न केवल जिले में बल्कि राज्य के लिए एक उदाहरण बन सकता है। हर बिखरता परिवार नए सिरे से जुड़ सके, यही हमारा उद्देश्य है। ''सामंजस्य कार्यक्रम'' एक ऐसी सामाजिक पहल है, जो टूटते रिश्तों को जोड़ने, संवाद की परंपरा को पुनर्जीवित करने और समाज में संवेदनशील प्रशासन की मिसाल पेश करता है। जिला प्रशासन की यह पहल न केवल क्षेत्र के लिए बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए एक मार्गदर्शक बन सकती है। समाज में जब संवाद, धैर्य और सामंजस्य का वातावरण बनेगा, तभी एक सशक्त, सुरक्षित और खुशहाल भविष्य की नींव रखी जा सकेगी।

विद्यालय की दुर्दशा ने खोल दी शिक्षा व्यवस्था की पोल

छत टपकती रही, छात्र छाता तानकर देते रहे परीक्षा, सूरजपुर के स्कूल में शर्मसार करने वाली तस्वीर

सूरजपुर/ओड़गी/मूक पत्रिका

शिक्षा की व्यवस्था सुधारने के दावों के बीच सूरजपुर जिले के एक शासकीय स्कूल से आई तस्वीर ने पूरे सिस्टम की सच्चाई सामने ला दी है। विकासखंड ओड़गी के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दवना (ष्ठद्बस्श्व कोड 22271606508) में बच्चे किताबें नहीं, छाता लेकर कक्षा में बैठे हैं। कारण साफहै बारिश हो रही है और स्कूल की छतें टपक रही हैं। बारिश से बचने के लिए छात्राएं और छात्र अपनी गोद में किताब-कॉपी के बजाय छाता थामे हुए हैं, और उन्हीं के नीचे बैठकर पढ़ाई कर रहे हैं। जिस स्कूल की छतों को सुरक्षित शिक्षा का प्रतीक होना चाहिए था, वहीं अब छाता ज़रूरी हो गया है।

करोड़ों के बजट, लेकिन ज़मीनी सच्चाई ये...हर साल छत्तीसगढ़ सरकार शिक्षा सुधार और स्कूलों के रख-रखाव के लिए करोड़ों रुपए का बजट पास करती है। लेकिन भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी ने इस व्यवस्था की रीढ़ तोड़ दी है। विद्यालयों के मरम्मत कार्यों में खानापूर्ति होती है और अधिकारी फ़ाइलों में ही विद्यालय सुसज्जित की मुहर लगा देते हैं। ना फर्नीचर सुधरते हैं, ना दीवारें, ना छतें। नतीजा, बच्चों को छतरी लेकर क्लास में बैठना पड़ रहा है।

उत्सव में सब चकाचक, असलियत में सड़ चुकी है व्यवस्था–शाला प्रवेश उत्सव के नाम पर हर साल नेताओं को बुलाकर आयोजनों की झड़ी लगती है। मंच सजते हैं, भाषण होते हैं, और शिक्षा विभाग के अधिकारी वाहवाही लूटते हैं। लेकिन हकीकत यह है कि इन अधिकारियों की नज़रों में ना विद्यालय की हालत आती है, ना बच्चों की परेशानियां।

अभी तक कई स्कूलों में किताबें भी नहीं पहुंचीं...स्कूल खुल चुके हैं, प्रवेश उत्सव हो चुके हैं, लेकिन जिले के अनेक स्कूलों में अभी तक बच्चों को किताबें तक नहीं मिलीं हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि ये कैसा शिक्षा का अधिकार है, जहां पढ़ाई की बुनियादी ज़रूरतें ही पूरी नहीं होतीं?

प्रश्न उठता है–क्या यही है आदर्श शिक्षा का मॉडल?, क्या इन बच्चों की गलती सिर्फ इतनी है कि वे ग्रामीण सरकारी स्कूल में पढ़ते हैं?, क्या अफ़सरों और जनप्रतिनिधियों की ज़िम्मेदारी सिर्फ आयोजनों तक सीमित रह गई है? इस खबर ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि शिक्षा व्यवस्था ज़मीनी हकीकत से कोसों दूर है। जब तक ज़िम्मेदार अफ़सर और नेता स्कूलों की स्थिति की ओर आंख खोलकर नहीं देखेंगे, तब तक बच्चों का भविष्य यूं ही भीगता रहेगा। शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन को इस स्थिति पर तुरंत संज्ञान लेकर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि बच्चों को गरिमा पूर्ण और सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण मिल सके।

मुठभेड़ में अब तक 4 माओवादी ढेर, INSAS-SLR राइफल सहित कई हथियार जब्त

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले के दक्षिण-पश्चिमी जंगलों में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना पर चलाए जा रहे सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच जारी मुठभेड़ में अब तक चार माओवादियों के शव बरामद किए गए हैं।जवानों ने मौके से

इंसांस और एसएलआर राइफलों सहित बड़ी मात्रा में हथियार, विस्फोटक सामग्री तथा दैनिक उपयोग की वस्तुएं भी बरामद की हैं।पुलिस से मिली जानकारी अनुसार यह मुठभेड़ 26 जुलाई की शाम से लगातार रुक-रुक कर जारी है। माओवाद प्रभावित इस क्षेत्र में सुरक्षाबलों के खिलाफ यह बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है।हालांकि,ऑपरेशन अभी भी जारी है, ऐसे में मुठभेड़ के सटीक स्थान, ऑपरेशन में शामिल सुरक्षाबलों की संख्या और अन्य रणनीतिक जानकारियों को सुरक्षा कारणों से फिलहाल सार्वजनिक नहीं किया गया है।घटनास्थल पर सघन तलाशी अभियान लॉन्च किया गया है।पुलिस ने बताया कि ऑपरेशन पूर्ण होने के पश्चात विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

संपादकीय

संसद में देश से जुड़े जरूरी सवाल पर नहीं हो रही बहस

संसद के मानसून सत्र के पहले ही दिन दोनों सदनों में सत्ता और विपक्ष के बीच खींचतान के बाद जैसा हंगामा देखा गया, वह एक तरह से अपेक्षित था। जिस तरह लोकसभा की कार्यवाही स्थगित करने की नौबत आई, उससे एक बार फिर यही लगता है कि जनहित से जुड़े मसलों पर बातचीत के बजाय संसद अब सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव की जगह बनती जा रही है। विपक्ष को लगता है कि सरकार अपनी सुविधा के मुताबिक सदन में बहस के लिए मुद्दों का चुनाव करती है और ऐसे में जनहित तथा राष्ट्रीय महत्त्व के विषयों की उपेक्षा की जाती है, वहीं सरकार यह मानती है कि विपक्ष नाहक ही सदन को बाधित कर जरूरी कामकाज में अड़चन डालता है। इसमें दोराय नहीं कि जब तक किसी मुद्दे पर लोकसभा या राज्यसभा में बहस नहीं होगी, तब तक जनहित के सवाल उपेक्षित रहेंगे, लेकिन इस क्रम में ऐसी स्थिति पैदा होने को कैसे सही ठहराया जा सकता है कि सदन में विचार-विमर्श के बजाय एकतरफा बातचीत होने लगती है और उसी के आधार पर नियम-कायदे भी तय हो जाते हैं। गौरतलब है कि करीब एक महीने तक चलने वाले मानसून सत्र में विपक्ष की ओर से मुख्य रूप से पहलगाम हमले, आपरेशन सिंदूर, संघर्ष विराम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता के दावों, बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण, मणिपुर के हालात और चीन के रुख आदि मसलों पर चर्चा कराने पर जोर दिया गया। हालांकि सरकार ने दावा किया कि वह इन सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है। अगर ऐसा है तो यह समझना मुश्किल है कि फिर खींचतान और हंगामे के हालात यहां तक कैसे पहुंचे कि सदन को स्थगित करने की नौबत आई। सरकार और विपक्ष के बीच संसद में आमने-सामने की बहस और सवाल-जवाब एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। अगर सरकार को लगता है कि वह विपक्ष की मांग के मुताबिक सभी विषयों पर बहस के लिए तैयार है, तब आखिर संसद में हंगामे की नौबत क्यों आती है? क्या ऐसा बीच का रास्ता नहीं निकल सकता जिसमें सदन बाधित न हो और संसद का कामकाज सुचारु रूप से चले? विपक्ष अगर चर्चा की मांग करता है, तो सदन को सामान्य रूप से संचालित होने देना और जरूरी मुद्दों पर बहस को लोकतांत्रिक निष्कर्ष तक ले जाना आखिर किसकी जिम्मेदारी है?

देश और नागरिकों के हित से जुड़े व्यापक महत्त्व के सवालों पर लोकसभा और राज्यसभा में चर्चा नहीं होगी तो और कहां होगी? मगर सरकार और विपक्ष जिन मुद्दों पर टकराव की मुद्रा में आ जाते हैं, उसमें यह कैसे तय होगा कि किस सवाल को बहस की प्राथमिकता में सबसे ऊपर रखा जाना चाहिए? सही है कि पहलगाम में हुआ आतंकी हमला और उसके बाद की परिस्थितियां राष्ट्रीय महत्त्व का मसला है। इसी तरह बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण पर जिस तरह के सवाल उठे हैं, उस पर भी तत्काल बात होनी चाहिए।

एसआईआर का मामला देश की सर्वोच्च अदालत तक पहुंच चुका है। सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार में एसआईआर पर रोक नहीं लगाई, लेकिन अभियान की टाइमिंग को लेकर प्रश्न अवश्य उठाए हैं। भारत निर्वाचन आयोग बिहार के बाद, चुनाव आयोग इस वर्ष के अंत तक 2026 में चुनाव होने वाले पांच राज्यों में मतदाता सूचियों की इसी प्रकार की समीक्षा करेगा। असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं का कार्यकाल अगले वर्ष मई-जून में समाप्त हो रहा है। ध्यान रहे पश्चिम बंगाल और असम दोनों ही राज्यों में एनआरसी बड़ा मुद्दा है क्योंकि इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और शरणार्थियों की बड़ी संख्या है।

एसआईआर की आंच से तपने लगा पश्चिम बंगाल

(डॉ. आशीष वशिष्ठ)

जानकार मानते हैं कि दिल्ली की जीत के बाद भाजपा की नज़र 2026 में पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी को पछाड़ने पर है। दिल्ली चुनाव में मिली जीत से भाजपा का आत्मविश्वास बढ़ा है और वो ज़्यादा मजबूती से ममता बनर्जी को चुनौती देने की कोशिश करेगी।

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर अभियान अपने अंतिम चरण में पहुंच रहा है। विपक्ष लगातार एसआईआर का विरोध कर रहा है। बिहार विधानमंडल के मानसून सत्र में भी एसआईआर के विरोध के स्वर सुनाई दे रहे हैं। एसआईआर का मामला देश की सर्वोच्च अदालत तक पहुंच चुका है। सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार में एसआईआर पर रोक नहीं लगाई, लेकिन अभियान की टाइमिंग को लेकर प्रश्न अवश्य उठाए हैं। भारत निर्वाचन आयोग बिहार के बाद, चुनाव आयोग इस वर्ष के अंत तक 2026 में चुनाव होने वाले पांच राज्यों में मतदाता सूचियों की इसी प्रकार की समीक्षा करेगा। असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं का कार्यकाल अगले वर्ष मई-जून में समाप्त हो रहा है। ध्यान रहे पश्चिम बंगाल और असम दोनों ही राज्यों में एनआरसी बड़ा मुद्दा है क्योंकि इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और शरणार्थियों की बड़ी संख्या है। पश्चिम बंगाल में जहां तृणमूल कांग्रेस एसआईआर को लेकर बेचैन है तो वहीं कांग्रेस असम को लेकर चिंतित है।

गैर भाजपशासित कई राज्यों से विरोध की आवाज उठने लगी है। हालांकि विरोध का सबसे ऊंचा स्वर पश्चिम बंगाल से सुनाई दे रहा है, जहां 2026 में विधानसभा चुनाव होंगे। बीती 21 जुलाई को कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस की शहीद दिवस रैली में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा बंगाल में एसआईआर जैसी कवायद करने की योजना बना रही है, इसे कभी अनुमति नहीं दी जाएगी। वास्तव में, ममता के निशाने पर भारतीय जनता पार्टी है। एसआईआर कराना चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र का विषय है। सब कुछ जानते बूझते हुए भी ममता एसआईआर को लेकर भाजपा पर राजनीतिक बाण चला रही हैं। भला एसआईआर करवाने या न करवाने से भाजपा का क्या संबंध? सोचिए, पश्चिम बंगाल में एसआईआर अभी शुरू भी नहीं हुआ, और ममता बनर्जी ने इसके विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है। इसी से तृणमूल कांग्रेस की बेचैनी को समझा जा सकता है।

ममता बनर्जी का सार्वजनिक मंच से यह कहना कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर की अनुमति नहीं दी जाएगी। सीधे तौर पर चुनाव आयोग को धमकी के साथ संविधान और संवैधानिक संस्था का अपमान भी है। संविधान और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के मन में आदर का भाव बचा ही नहीं है। सीबीआई के अधिकारियों को बंधक बनाने से लेकर ईडी के अधिकारियों पर प्राणघातक हमले में प्रदेश सरकार और तृणमूल कांग्रेस की भूमिका जगजाहिर है। अभी हाल ही में संसद द्वारा पारित वक्फ बिल के विरोध में ममता ने कहा था कि पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून लागू नहीं होने देंगे। भला कोई संविधान के तहत निर्वाचित सरकार और मुख्यमंत्री ऐसे कैसे गैरजिम्मेदाराना संविधान विरोधी बयानबाजी कर सकता है। लेकिन पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार ने नियम कानून और संविधान को शायद खूंटी पर टांग रखा है।

ममता बनर्जी एसआईआर को एनआरसी यानी राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर से भी ज्यादा खतरनाक बता चुकी हैं। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद नेता डेरेक ओ ब्रायन ने बीती 28 जून को कहा कि चुनाव आयोग द्वारा घोषित मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण पिछले दरवाजे से एनआरसी लाने का एक भयावह कदम है।' संसद के मॉनसून सत्र के दूसरे दिन बिहार वोटर लिस्ट मुद्दे पर विपक्षी सांसदों ने संसद में प्रदर्शन किया है। तृणमूल कांग्रेस के अलावा कांग्रेस, राजद, सपा और विपक्ष के अन्य दल इस विरोध में शामिल हैं।

राजनीतिक हलकों में इस बात की जोरों से चर्चा है कि बिहार के बाद मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की बारी पश्चिम बंगाल की होगी। तभी पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस बहुत बेचैन है। तृणमूल कांग्रेस को यह चिंता सता रही है कि अगर चुनाव आयोग ने चुनिंदा विधानसभा क्षेत्रों में टारगेट करके मतदाताओं के नाम काटे तो उसका फायदा भाजपा को होगा। पश्चिम बंगाल में 30 फीसदी मुस्लिम आबादी है, जिसके बारे में भाजपा आरोप लगाती है कि इनमें बड़ी संख्या बांग्लादेशी और रोहिंग्या की है। इनका वोट एकमुश्त तृणमूल को जाता है। हर क्षेत्र में 10 से 20 हजार नाम अगर कट जाते हैं तो तृणमूल को उसका बड़ा नुकसान होगा। हालांकि बिहार से उलट पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के नेता ज्यादा जागरूक और सक्रिय हैं। वे आसानी से नाम नहीं कटने देंगे। पिछले कई महीनों से वे खुद घर घर जाकर सब चेक कर रहे हैं।

भाजपा का आरोप है कि पिछले 14 वर्षों में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी सरकार ने अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को मतदाता सूची में व्यवस्थित रूप से घुसपैठ कराई है। बीते मार्च पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग को ऑडिट और मतदाता सूची संशोधन की जरूरत से अवगत कराते हुए बताया था कि पष्चिम बंगाल में 13 लाख से अधिक फर्जी या डुप्लीकेट मतदाता हैं। बीते जून को भाजपा ने दावा किया कि बंगलादेश से जुड़े कोटा सुधार आंदोलन के नेता न्यूटन दास का नाम काकद्वीप विधानसभा इलाके के वोटर लिस्ट में है। तृणमूल ने आरोपों से इनकार किया है।

बीते दिनों मालदा जिले के गाजोल के एक गांव में ऐसा मामला सामने आया है, जहां इलाके में एक भी अल्पसंख्यक व्यक्ति नहीं रहता, वहां दो अपरिचित और कथित अल्पसंख्यक वोटरों के नाम नये मतदाता सूची में शामिल पाये गये हैं। इसे लेकर भाजपा विधायक चिन्मय देव बर्मन ने अवैध घुसपैठ और फर्जी वोटर जोड़ने का आरोप लगाया है। बीती जून को सिलीगुड़ी में फर्जी आधार कार्ड, वोटर कार्ड और अन्य सरकारी दस्तावेज बनाने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने किया था। राज्य में अलग-अलग क्षेत्रों से फर्जी वोटर मामले सामने आने के कारण राजनीतिक माहौल और गर्माया हुआ है। ममता बनर्जी ने 'फेक वोटर' की पहचान के लिए एक समिति भी बनाई है।

जानकार मानते हैं कि दिल्ली की जीत के बाद भाजपा की नज़र 2026 में पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी को पछाड़ने पर है। दिल्ली चुनाव में मिली जीत से भाजपा का आत्मविश्वास बढ़ा है और वो ज़्यादा मजबूती से ममता बनर्जी को चुनौती देने की कोशिश करेगी। ममता बनर्जी भी जमीनी सच्चाई और आने वाले राजनीतिक खतरों को बखूबी भांप रही है। इसलिये उन्होंने अभी से विरोध का स्वर ऊंचा करना शुरू कर दिया है। सबसे हैरानी की बात यह है कि इंडी गठबंधन के नेता संविधान के सम्मान और रक्षा की बात करते हैं। लेकिन उनकी कथनी और करनी में जमीन आसमान का भेद है। वो कदम कदम पर संविधान, संवैधानिक मूल्यों और लोकतंत्र की परंपराओं का अनादर करते दिखाई देते हैं। एक तरफ, विपक्ष चुनाव आयोग पर भाजपा से मिलीभगत के आरोप लगाता है। वहीं दूसरी तरफ, जब चुनाव आयोग मतदाता सूची की त्रुटियों को दूर कर साफ सुथरी सूची बनाने का अभियान चलाता है, तो उसका विरोध करने लगता है। साफ सुथरी वोटर लिस्ट न बने इसके लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंच जाता है। विपक्ष के इस दोहरे मापदण्ड और चरित्र के बारे में भला क्या कहा जाए। विपक्ष के ऐसे रवैये से एक बात तो साफ है कि विपक्ष चुनाव में मिली हार और अपनी नाकामी छिपाने के लिए चुनाव आयोग, वोटर लिस्ट और ईवीएम के सिर पर ठीकरा फोड़ता है? तय मानिए, आने वाले दिनों में एसआईआर के विरोध की गूंज देशभर में सुनाई देगी। और यह भी लिखकर रख लीजिए इसमें सबसे ज्यादा ऊंची आवाज तृणमूल कांग्रेस के नेताओं की होगी। तृणमूल कांग्रेस के विरोध, धमकी और बेचैनी से यह समझ में आ रहा है कि दाल में कुछ नहीं बहुत कुछ काला है। (लेखकस्वतंत्र पत्रकार है) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

फिर नाकाफी सुबूत और न्याय की हार

(कमलेश जैन)

बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को जो फैसला सुनाया, उससे एक गंभीर सबक लेने की जरूरत है। 11 जुलाई, 2006 को मुंबई की लोकल ट्रेनों में सिलसिलेवार धमाके हुए थे, जिनमें 180 से अधिक लोगों की जान गई थी और 850 से अधिक घायल हुए थे। साल 2015 में विशेष अदालत ने इस मामले में पांच अभियुक्तों को फांसी और सात को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। मगर सोमवार को बॉम्बे हाईकोर्ट ने सुबूतों के पैमाने पर विशेष अदालत के फैसले को खरा नहीं पाया और सभी दोषियों को रिहा करने का आदेश दे दिया।

वैसे, यह कोई पहला मामला नहीं है। 24 सितंबर, 2002 को गांधीनगर (गुजरात) के अक्षरधाम मंदिर पर आतंकियों का हमला होता है, जिसमें 33 लोग मारे जाते हैं और 80 से अधिक घायल होते हैं। मगर 2021 में सुप्रीम कोर्ट निचली अदालतों द्वारा दोषी पाए गए छह लोगों को रिहा करने का आदेश देता है। इसी तरह, 2008 में जयपुर में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के चार आरोपी (जिनको विशेष अदालत ने दोषी माना था) हाईकोर्ट से बरी कर दिए जाते हैं। हालांकि, इसी धमाके से जुड़े एक अन्य मामले में उनको उम्रकैद की सजा भी सुनाई गई थी। यहां इन तमाम मामलों के जिक्र का मकसद 'निचली बनाम ऊपरी अदालत' की बहस खड़ी करना नहीं है, बल्कि उस प्रवृत्ति की ओर इशारा करना है, जो हमारी न्याय-व्यवस्था में लंबे समय से बनी हुई है। चाहे पीड़ितों को न्याय न मिले या फिर कोई निर्दोष जेल में विचाराधीन कैदी बनकर अपना जीवन गुजारे, दोनों ही स्थिति न्याय-व्यवस्था के लिए ठीक नहीं। इसे 'न्याय की हार' के रूप में ही परिभाषित किया जाएगा। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि आपराधिक मामलों में समय के साथ सुबूतों की कड़ी जोड़ना काफी अहम माना जाता है। भारतीय साक्ष्य अधिनियम के मुताबिक, जिसे बोलचाल में 'एविडेंस ऐक्ट' कहा जाता है, किसी वारदात में तीन चीजों पर विशेष ध्यान देना चाहिए- घटना का वक्त, उसका तरीका और हथियार। इसमें पीड़ित का न्यायसंगत समय पर बयान दर्ज करना भी काफी अहमियत रखता है। अगर ऐसा नहीं होता है, तो माना जाता है कि सबूत गढ़ने या झूठ बोलने के लिए वक्त लिया गया था। इससे सुबूतों का महत्व कम हो जाता है। मुंबई रेल विस्फोट मामले में भी ऐसा ही कुछ हुआ। एक ही गवाह दो जगहों पर देखा गया था। एकाधिक गवाहों के बयान भी काफी दिनों बाद दर्ज हुए। अपने देश में दिक्कत यह भी है कि निचली अदालतें आमतौर पर आवेश में या भावना में बहकर फैसला सुना देती हैं। वे कभी-कभी आपराधिक कानून के तकनीकी पक्षों को भूल जाती हैं। उच्च न्यायालय इन्हीं सबको साक्ष्यों की कसौटी पर जांचता है। मुंबई मामले में सुबूत इस तरह से नहीं जुटाए जा सके कि आरोपी कुसूरवार साबित किए जा सकें। लिहाजा, इसे पुलिस की नाकामी भी मानना चाहिए।

ऐसी गलतियां बड़े मामलों में ही नहीं होतीं, छोटी-छोटी आपराधिक घटनाओं में भी हम इसी तरह की प्रवृत्ति देखते हैं। बिहार के बोका ठाकुर का केस तो अंतरराष्ट्रीय मीडिया में छा गया था, क्योंकि इसमें आरोपी (बोका ठाकुर) की 37 साल तक ट्रायल ही नहीं हुई थी, यानी इतने समय तक अदालत ने एक भी दिन इस मामले को नहीं सुना था। इसी तरह, रूदल शाह 16-17 साल तक ट्रायल चलने और रिहा होने के बावजूद करीब 35 साल तक जेल में रहे। उनका मामला तो सुप्रीम कोर्ट में भी आया, जहां अदालत ने न्यायिक प्रक्रिया में चूक मानी और भारतीय इतिहास में पहली बार मुआवजे का एलान किया। उस वक्त रूदल शाह को 35 हजार रुपये मिले थे। इन दोनों मामलों में मैं बचाव पक्ष के रूप में अदालतों में खड़ी हुई थी।

भारतीय न्याय-व्यवस्था में यह तो सुनिश्चित किया जाता है कि किसी निर्दोष को सजा न मिले, लेकिन किसी शख्स के गिरफ्तार होने से लेकर उसे आखिरी सजा सुनाने तक की प्रक्रिया इतनी लंबी हो जाती है कि अगर कोई निर्दोष गिरफ्त में आ गया, तो उसे अपनी पूरी जिंदगी सलाखों के पीछे गुजारनी पड़ सकती है। चूंकि निचली अदालतों में ही पूरा मामला बनता और बिगड़ता है, इसलिए वहीं पर सुबूतों को गंभीरता से तौलना चाहिए। आपराधिक कानूनों के पैमाने पर मामले को जांचा-परखा जाना चाहिए। मगर ऐसा नहीं हो पाता। फिर, भ्रष्टाचार भी एक बड़ा कारक बन जाता है। उच्च न्यायालय इन्हीं सबको दुरुस्त करता है। न्याय, सुबूत, आपराधिक कानून, सभी के पैमाने पर वह पूरे मामले को देखता है। वैज्ञानिक तरीके से अध्ययन करता है। पूरे तकनीकी पक्ष का ख्याल रखता है। तो, एक लिहाज से हम यह कह सकते हैं कि निचली अदालतों के फैसले को उच्च न्यायालय दुरुस्त करता है। इसी कारण कई मामले उच्च न्यायालय में नहीं टिक पाते। इन सबसे बचने का एक तरीका यह है कि निचली अदालतों के जजों को इस बाबत प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। बेशक, वे एक कठिन लिखित परीक्षा पास करने के बाद जज बनते हैं, लेकिन कई व्यावहारिक पहलुओं से वे अनजान रहते हैं। प्रशिक्षण देने से उनको व्यावहारिक ज्ञान होगा और जो गलतियां निचली अदालतों में अभी हो रही हैं, उनके दूर होने की संभावना बढ़ जाएगी। इसी तरह, पुलिस डायरी भी सावधानीपूर्वक लिखी जानी चाहिए। इसमें सबसे पहले एफआईआर लिखी होती है। उसके बाद घटनास्थल पर जो-जो चीजें दिखती हैं, उनको विस्तार से दर्ज किया जाता है, फोटोग्राफ दिए जाते हैं, जिसको 'टोपोग्राफी' कहते हैं। फिर, मौके पर उपस्थित गवाहों के बयान दर्ज किए जाते हैं। पोस्टमार्टम यदि किया गया हो, तो उसे भी यहीं दर्ज किया जाता है। इन सबको देखने के बाद ही अदालत किसी आरोपी पर मुकदमा चलाने की अनुमति देती है। बड़े आतंकी हमलों में भी यही तरीका अपनाया जाता है।

सावन 2025 विशेष: भारत में शिव पूजा के पुरातात्विक साक्ष्य

भारत का सौभाग्य यह है कि विश्व की सभी प्राचीनतम सभ्यताएं विभिन्न कारणों से अपने मूल भाव से विमुख हो गई परन्तु भारतीय समाज आज भी अपनी 5000 वर्ष प्राचीन परम्पराओं को जीवंत बनाए हुए है। इन प्राचीन परम्पराओं के वाहक आज हिन्दू, बौद्ध, जैन, सिख आदि मतों का अनुसरण करते हैं। सनातन परम्परा में ईश्वर की साधना के विभिन्न माध्यम थे जिनमे एक माध्यम लिंग पूजा का था, यहां इस बात का उल्लेख आवश्यक है की लिंग सृष्टि की रचना का आधार है। लिंग व योनि के मेल से ही मानव उत्पति सम्भव है, यही कारण है की सनातन दर्शन में इसे पवित्र माना गया है। सनातन परम्परा का प्राचीनतम ग्रंथ है ऋग्वेद, इस ग्रन्थ में विभिन्न देवी-देवताओं का वर्णन है जिनमे इंद्र, अग्नि, रूद्र, विष्णु आदि प्रमुख हैं।

(शुभम केवलिया)

मिस्त्र, मेसोपोटामिया व भारत, इन तीनों ही राष्टों की सभ्यता विश्व में सर्वाधिक प्राचीन है। यूं तो इन सभी सभ्यताओं के मूल में प्रकृति पूजा है फिर भी तीनों में कुछ-कुछ विभेद हैं। भारत का सौभाग्य यह है कि विश्व की सभी प्राचीनतम सभ्यताएं विभिन्न कारणों से अपने मूल भाव से विमुख हो गई परन्तु भारतीय समाज आज भी अपनी 5000 वर्ष प्राचीन परम्पराओं को जीवंत बनाए हुए है।इन प्राचीन परम्पराओं के वाहक आज हिन्दू, बौद्ध, जैन, सिख आदि मतों का अनुसरण करते हैं। सनातन परम्परा में ईश्वर की साधना के विभिन्न माध्यम थे जिनमे एक माध्यम लिंग पूजा का था, यहां इस बात का उल्लेख आवश्यक है की लिंग सृष्टि की रचना का आधार है। लिंग व योनि के मेल से ही मानव उत्पति सम्भव है, यही कारण है की सनातन दर्शन में इसे पवित्र माना गया है।

सनातन परम्परा का प्राचीनतम ग्रंथ है ऋग्वेद, इस ग्रन्थ में विभिन्न देवी-देवताओं का वर्णन है जिनमे इंद्र, अग्नि, रूद्र, विष्णु आदि प्रमुख हैं। रूद्र जिन्हें ऋग्वेद में सृजनकर्ता व संहारक की संज्ञा दी गई है वे और कोई नहीं शिव ही हैं। इन रूद्र या शिव की आराधना के पुरातात्विक साक्ष्य हमें बहुतायत में मिलते हैं, इनमे कुछ पुरातात्विक साक्ष्य 5000 प्राचीन हैं। शिव की आराधना लिंग स्वरुप व मानव स्वरुप दोनों में ही की जाती है।

भारत की प्राचीनतम सभ्यता जिसे हम सरस्वती-सिंधु सभ्यता के नाम से जानते हैं उसमे भी हमें शिव पूजा के पर्याप्त साक्ष्य देखने को मिलते हैं। इस सभ्यता के एक पुरास्थल कालीबंगा से हमें पकी मिट्टी का बना एक शिवलिंग प्राप्त हुआ है। इसी सभ्यता का एक और पुरस्थल है हड़प्पा जो वर्तमान में पाकिस्तान में अवस्थित है। इस पुरास्थल से भी उत्खनन के दौरान शिवलिंग प्राप्त हुआ है। इन शिवलिंगों के विवरण भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण विभाग की विवरणिकाओं में उपलब्ध हैं।

नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय संग्रहालय में भी इस सभ्यता के विभिन पुरास्थलों से मिले शिवलिंग प्रदर्शित हैं। मानव स्वरुप में शिव का अंकन भी हमें इसी सभ्यता में देखने को मिलता है, वर्तमान पाकिस्तान में स्थित मोहनजोदड़ो से मिली एक मुहर पर एक योगी का अंकन है जिसके इर्द-गिर्द पशु खड़े हैं। विश्व के प्रसिद्द पुरातत्ववेत्ताओं का यह मत है की यह शिव ही हैं, इन्हें पशुपति की संज्ञा दी गई है। सरस्वती सिंधु सभ्यता से मिले पुरावशेष यह सिद्ध कर देते हैं की तत्कालीन समाज में शिव पूजा का भी प्रचलन था, ऋग्वेद में भी शिवपूजा का उल्लेख पर्याप्त मात्रा में प्राप्त होता है।

कालीबंगा से प्राप्त शिवलिंग (सरस्वती-सिंधु सभ्यता)

आज से लगभग 2400 वर्ष पूर्व बनने वाले आहत सिक्कों पर शिव के आयुध या हथियार त्रिशूल का अंकन हमें दिखाई देता है, यह तत्कालीन भारतीय समाज में शिव के प्रति आस्था का प्रतिबिम्ब है। भारत का मूल समाज तो शिव की आराधना करता ही है, इस राष्ट में आक्रमणकारी के रूप में आए शक व हूण शासकों द्वारा चलाए गए सिक्के इस बात को प्रमाणित करते हैं की विदेशी आक्रांताओं की भी आस्था के केंद्र शिव थे।

हूण शासक वासुदेव के द्वारा चलाए गए सिक्कों पर हमें शिव व उनके वाहन नंदी का अंकन दिखाई देता है। चौथी-पांचवीं शताब्दी में शासन करने वाले गुप्त शासकों के काल में भी शिव पूजा का प्रभुत्त्व हमें दिखाई देता है। एक मुखी शिवलिंग, उमा-महेश्वर,शिव-पार्वती आदि की प्रतिमाएं इस काल में पर्याप्त मात्रा में बनाई गई। विदिशा स्थित उदयगिरि में पर्वत को काट बनाई गई गुफाएं जो गुप्तकालीन हैं शिव को ही समर्पित हैं।

भौगोलिक दृष्टिकोण से भी सम्पूर्ण भारत में हमें शिव पूजा के पर्याप्त प्रमाण मिलते हैं। प्रारम्भिक मध्य कालीन भारत के हिन्दू शासकों ने अपने आराध्य शिव के लिए विशाल मंदिरों के निर्माण करवाए जो आज विश्व धरोहर हैं। तमिलनाडु के थंजावुर में स्थित बृहदीश्वर मंदिर शिव को समर्पित है। महराष्ट में एलोरा स्थित कैलाशनाथ मंदिर एक ही चट्टान को काट कर बनाया गया है, आठवीं शताब्दी में बना यह मंदिर भी शिव को समर्पित है।

ग्यारहवीं शताब्दी में खजुराहों में बनाया गया कंदरिया महादेव मंदिर भी शिव को ही समर्पित है। कश्मीर घाटी में भी पहली शताब्दी व उसके बाद के कई शिवलिंग प्राप्त हुए हैं जो वहां होने वाली शिव आराधना के साक्ष्य है। उत्तर पूर्व के राज्य असम में छठी शताब्दी के तेजपुर में स्थति शिव मंदिर मंदिर के प्रमाण मिलना वहां शिव पूजन की प्राचीनता के परिचायक हैं। यह साक्ष्य इस बात को सिद्ध करते हैं की शिव पूजा का व्याप्त सम्पूर्ण भारत में रहा है। इन सब के अतिरिक्त भी सम्पूर्ण दक्षिण एशिया में हमें शिव पूजा के प्रमाण मिलते हैं।

उपरोक्त प्रमाणों से यह सिद्ध हो जाता है की भारत में मानव सभ्यता के उदय से ही शिव की आराधना की जा रही है। सावन के पवित्र मास में सनातन परम्परा का निर्वहन करने वाला समाज शिव आराधना में रत है। यह उन देवता की आराधना है जिनका पूजन इस समाज के पूर्वज 5000 वर्षों से नित्य प्रतिदिन करते आ रहे हैं।

यह लेखक के निजी विचार हैं।

स्पॉ सेंटर की आड़ में अनैतिक देह व्यापार चलाने के पांच आरोपी जेल दाखिल

दुर्ग/मूक पत्रिका

स्पॉ सेंटर की आड़ मे अनैतिक देह व्यापार चलाने के आरोप में स्पॉ सेंटर की संचालिका सहित पांच आरोपियों को थाना सुपेला पुलिस ने अनैतिक देह व्यापार निवारण अधिनियम के तहत विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेज दिया गया। वहीं स्पॉ सेंटर का मालिक फरार है , जिसकी पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय से इस संबंध में मिली विस्तृत जानकारी के अनुसार गत दिवस 25 जुलाई को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि नेहरू नगर चौक कोटक महिन्द्रा बैक के पास द ग्रीन डे स्पॉ मे अवैध धन लाभ अर्जित करने हेतु लड़कियों से देह व्यापार कराया जा रहा है। प्राप्त सूचना की तस्दीक एवं रेड कार्यवाही हेतु पुलिस टीम के द्वारा द ग्रीन डे स्पॉ में दबिश देकर रेड कार्यवाही किया गया। आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 857/2025 धारा अनैतिक देह व्यापार निवारण अधि. 1956 की धारा 3 , 4 , 5 , 7 कायम कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान आरोपियों स्पा सेंटर की संचालिका संध्या कुमारी तथा ग्राहक अरविंद यादव , आदित्य सिह , टेली कॉलर जैनम खातून एवं योगिता गंधर्व से कड़ाई से पूछताछ करने पर स्पॉ सेंटर की आड़ मे अनैतिक देह व्यापार टेली कालर जैनम खातून एवं योगिता गंधर्व के माध्यम से ग्राहको को फोन कर प्रलोभन देकर बुलाना और इस काम के लिये अलग - अलग चार मोबाईल रखना बताने पर आरोपियों के कब्जे से 06 नग मोबाईल , 01 नग लेनोवा का टेब , आधार कार्ड एवं 8 नग डायरी , 04 रजिस्टर एवं अन्य टाईप शुदा मोबाईल नम्बरों का डाटा व नगदी रकम 600 रूपये सहित 04 नग आपत्तिजनक वस्तुओं को गवाहों के समक्ष जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया है। प्रकरण का मुख्य आरोपी स्पा सेंटर मालिक घटना दिनांक से फरार है , जिसका पता-तलाश किया जा रहा है। आरोपियों के विरूद्ध पर्याप्त साक्ष्य सबूत पाये जाने थाना सुपेला पुलिस ने विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया , जहां से उन्हें न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेज दिया गया। पुलिस ने स्पा सेंटर की गुमास्ता लाइसेंस कैंसिल करने हेतु नगर पालिका को प्रतिवेदन भेजा गया है और अनैतिक देह व्यापार के विरूद्ध दुर्ग पुलिस की कार्यवाही इसी तरह से आगे भी जारी रहेगी। उक्त कार्यवाही में नगर पुलिस अधीक्षक सत्यप्रकाश तिवारी , निरीक्षक विजय कुमार यादव , उनि मनीष वाजपेयी , प्रधान आरक्षक योगेश चन्द्राकर , अमर सिंह , महिला आरक्षक स्वाती कुर्रे , योगिता साहू , सरस्वती ठाकुर , दीपक साहू एवं महिला रक्षा टीम प्रभारी संगीता मिश्रा का सराहनीय योगदान रहा।

गिरफ्तार आरोपीगण - स्पा सेंटर संचालिका संध्या कुमारी उम्र 34 वर्ष , अरविंद यादव उम्र 30 वर्ष , आदित्य सिंह उम्र 29 वर्ष , टेली कालर जैनम खातून एवं योगिता गंधर्व उम्र 23 वर्ष सभी निवासी - सुपेला , जिला - दुर्ग (छत्तीसगढ़)।

अन्य पिछड़ा वर्ग मोर्चा रायपुर संभाग स्तरीय सम्मेलन में शामिल हुए विधायक अनुज

रायपुर /मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा रायपुर संभाग द्वारा ग्राम कोसरंगी में संभाग स्तरीय सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल रमेश बैस, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा के साथ धरसींवा विधायक अनुज शर्मा जी शामिल हुए ।इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से तीन विषयों पर चर्चा हुई जिसमे ÷एक पेड़ माँ के नाम÷, ÷एक राष्ट्र-एक चुनाव÷ तथा ÷संकल्प से सिद्धि तक÷। इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा ने वृक्षारोपण का संदेश देते हुए कहा कि ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ एक प्रयास है जो हमारी मातृभूमि और प्रकृति के प्रति हमारे सम्मान और समर्पण को दर्शाता है। इस अभियान का उद्देश्य माँ के नाम पर एक पेड़ लगाना और एक स्थायी स्मृति बनाना है, जो न केवल पर्यावरण की रक्षा करेगा बल्कि एक हरे और अधिक समृद्ध भविष्य के निर्माण में भी योगदान देगा। माँ और प्रकृति दोनों ही जीवन का मूल आधार हैं और इस पहल के माध्यम से हम अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ का हिस्सा बनें और अपनी माँ के लिए एक अविस्मरणीय स्मृति बनाने के लिए एक पेड़ लगाएँ। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का एक सपना हैं 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' हमारा भारत देश हो , देश में राजनीतिक स्थिरता और विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने हेतु प्रधानमंत्री मोदी का विजन है। एक राष्ट्र एक चुनाव होने से देश में बार-बार होने वाली चुनाव प्रक्रिया खत्म होगी जिससे देश

के विकास की गति में और तेजी आएगी। संकल्प से सिद्धि तक' जनसंपर्क अभियान हमारी सरकार ने शुरू किया है, इस अभियान के माध्यम से पार्टी के नेता और कार्यकर्ता देशभर में जाकर केंद्र की मोदी सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियाँ को आम जनता तक पहुँचाने का काम कर रहे हैं, साथ ही कांग्रेस शासन के दौरान हुई विफलताओं की भी जानकारी घर-घर जा कर दे रहे हैं7 इस अभियान के दौरान भाजपा मोर्चा प्रकोष्ठों को विशेष जिम्मेदारी दी गई है ताकि सरकार की योजनाएं और नीतियां समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सकें। कार्यक्रम में विधायक मोतीलाल साहू, गुरु खुशवंत साहेब, इंद्र कुमार साहू, पूर्व संसाद चंदू लाल साहू , जिला अध्यक्ष श्याम नारंग सहित गणमान्य जन उपस्थित रहे।

नाबालिग बालिका से छेड़छाड़ करने वाला आरोपी को किया गिरफ्तार, अकलतरा पुलिस की त्वरित कार्यवाही

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

मामले में नाबालिग पर घटित अपराध को गंभीरता से लेते हुए, आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड मे भेजा गया। आरोपी लोकेश कुमार बंजारे उम्र 21 वर्ष निवासी कोटमीसोनार थाना अकलतरा जिला जांजगीर चांपा के विरूद्ध धारा 74 क्र्ह्स 08 पाक्सो एक्ट के तहत की गई कार्यवाही। मामले में आरोपी द्वारा दिनांक 11.07.2025 के दोपहर में नाबालिक बालिका को सूनेपन का फायदा उठाकर छेड़छाड़ करने लगा पीड़िता जोर से चिल्लाई तो आरोपी वहां से भाग गया जिसकी सूचना रिपोर्ट पर थाना अकलतरा मे अपराध क्रमांक 317/2025 धारा 74 BNS 8 पाक्सो एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया था। नाबालिग बालिका पर घटित अपराध को गंभीरता से लेते हुए थाना अकलतरा पुलिस द्वारा आरोपी लोकेश कुमार बंजारे निवासी कोटमीसोनार को को पकड़ा जिसको हिरासत मे लेकर पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा चुका है।

बंगाली डॉक्टर को 7 साल की मिली सजा, गर्भवती महिला को गलत इंजेक्शन लगाने से हुई मौत

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

जिले सहित नगर में झोला छाप डाक्टरों का फैलता जाल और उनका अवैध रूप से क्लीनिक चलाने का सिलसिला रुकने का नाम ही नहीं ले रहा, आए दिन गलत इलाज से लोगों की जान चली जा रही है। और जिला का स्वास्थ्य विभाग हाथ पर हाथ धरे बैठे हुए हैं। जैसे किसी बड़ी घटना का इंतजार कर रहे हों।

इसी तरह की एक घटना जिसमें जिले के चतुर्थ अपर सत्र न्यायालय ने एक गंभीर लापरवाही के मामले में आरोपी बंगाली डॉक्टर को 7 साल की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। आरोपी डॉक्टर धुवांतो सिकदार को यह सजा गर्भवती महिला की इलाज के दौरान मौत के मामले में सुनाई गई है। घटना नवागढ़ थाना क्षेत्र के हीरागढ़ गांव की है, जहां 1 सितंबर 2024 को रुखमणी कश्यप नामक महिला, जो चार माह की गर्भवती थी, की तबीयत बिगड़ने पर घर पर बंगाली डॉक्टर को बुलाया गया था। इलाज के नाम पर आरोपी ने खुद से दवाइयां दीं और एक गलत इंजेक्शन लगा दिया, जिसके बाद महिला की स्थिति बिगड़ती चली गई और उसकी मौत हो गई।

घटना के बाद परिजनों की शिकायत पर नवागढ़ पुलिस ने तत्काल स्न्ढ्क्र दर्ज करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। मामला न्यायिक प्रक्रिया में था, जिसकी सुनवाई अब पूरी हो चुकी है। चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश विजय अग्रवाल ने मामले में दोषी करार देते हुए धुवांतो सिकदार को 7 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफएक कड़ा संदेश माना जा रहा है।

छत्तीसगढ़ नागरिक सुरक्षा फाउंडेशन के पदाधिकारियों द्वारा किया गया वृक्षारोपण

अम्बिकापुर/मूक पत्रिका

बीते 24 जुलाई 2025 दिन गुरुवार को जिला सरगुजा अम्बिकापुर में प्रदेश स्तरीय सामाजिक संगठन ÷छत्तीसगढ़ नागरिक सुरक्षा फाउंडेशन÷ के सदस्यों द्वारा छत्तीसगढ़ का पहला त्यौहार हरेली के अवसर पर स्थानीय शंकर घाट अम्बिकापुर परिसर में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर फाउंडेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष मयंक जायसवालज़ जिला अध्यक्ष सरगुजा वेद नारायण साहू, जिला प्रभारी सुषमा जायसवाल जिला उपाध्यक्ष सरगुजा साधना मिश्रा , जिला उपाध्यक्ष सरोज सिंह, जिला सचिव धनंजय गुप्ता, एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे एवम कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी सदस्यों का सक्रिय सहयोग सराहनीय रहा। उक्ताशय की जानकारी फाउंडेशन की मीडिया प्रभारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती साधना कश्यप द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दिया गया।

शिवसेना,, उद्धव बालासाहेब ठाकरे का जन्मदिन आज 27 जुलाई को पूरे प्रदेश में मनाया जाएगा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शिवसेना,,.क्र्ञ पार्टी के प्रदेश महासचिव दाऊ, राम चौहान ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष उद्धव बालासाहेब ठाकरे का जन्मदिन 27 जुलाई को पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा आगे चौहान ने कहा कि पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता प्रेम शंकर महिलांगे ने राजधानी रायपुर प्रेस में जानकारी देते हुए बताया कि शिवसेना पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उद्धव बालासाहेब ठाकरे की दिनांक, 27,07,2025 मैं पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में जन्म उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा राजधानी रायपुर में पार्टी के प्रदेश प्रमुख डॉक्टर आनंद मल्होत्रा, एवं पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता शंकर महिलांगे के नेतृत्व में उद्धव बालासाहेब ठाकरे का जन्म दिवस मनाया जाएगा आगे वही डी, के , एस एवं जिला अस्पताल में जाकर मरीज को फल वितरण किया जाएगा

तथा कुछ जगहों पर वृक्षारोपण किया जाएगा साथ ही इस अवसर पर शिवसेना , क्र् ञ के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं द्वारा सभी जिले में जन्मदिवस मनाते हुए प्रदेश के सभी जिला अस्पतालों में मरीजों एवं गरीबों को फल वितरण किया जाएगा इसके साथ ही विभिन्न जगहों पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन इस बरसाती वायरस बीमारियों पर रोकथाम के कई आयोजन किए जाएंगे एवं बरसात के दिनों में आ रहे गंदे पानी को स्वच्छ एवं पीने योग्य स्वच्छता रखने हेतु जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

सिलफिली पावर हाउस की लचर बिजली व्यवस्था पर भड़के जनप्रतिनिधि,10 दिन में सुधार नहीं तो होगा उग्र आंदोलन

सूरजपुर/मूक पत्रिका

जिला पंचायत सदस्य क्षेत्र क्रमांक 03 नरेन्द्र यादव ने सिलफिली पावर हाउस की बदहाल विद्युत आपूर्ति व्यवस्था पर कड़ा ऐतराज जताया है। उन्होंने इस संबंध में कलेक्टर सूरजपुर को ज्ञापन सौंपते हुए चेतावनी दी है कि यदि 10 दिनों के भीतर सुधार नहीं हुआ, तो वे ग्रामीणों के साथ मिलकर संबंधित विभाग के खिलाफ आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि सिलफिली पावर हाउस से लगभग 25 से 30 गांवों में बिजली सप्लाई होती है, जहां बीते कुछ दिनों से लगातार बिजली कटौती हो रही है। यह स्थिति तब और भी गंभीर हो जाती है जब क्षेत्र के 90 प्रतिशत लोग कृषि पर निर्भर हैं और उनका एकमात्र सिंचाई साधन बिजली चालित ट्यूबवेल है। यादव ने आरोप लगाया कि बिजली विभाग से शिकायत करने पर अक्सर एक ही जवाब मिलता है कि कर्मचारियों की कमी के कारण बिजली सुधार संभव नहीं है। लेकिन सवाल यह उठता है कि इस बदइंतज़ामी का खामियाजा आखिर कब तक किसान भुगतते रहेंगे? उन्होंने कहा कि बिजली की यह अनियमितता केवल खेती को ही नहीं, बल्कि आमजनजीवन को भी प्रभावित कर रही है। ऐसी स्थिति में सरकार की किसान हितैषी योजनाएं और बिजली सुधार के दावे सिर्फ कागजों तक ही सीमित नजर आ रहे हैं। जिला पंचायत सदस्य नरेन्द्र यादव ने साफ शब्दों में चेताया है कि यदि बिजली आपूर्ति व्यवस्था को जल्द दुरुस्त नहीं किया गया, तो वे जनता के साथ सड़क पर उतरने को मजबूर होंगे और इसका पूरा उत्तरदायित्व प्रशासन पर होगा।

कारगिल विजय दिवस पर देशभक्ति को समर्पित कार्यक्रमः साजा कृषि कॉलेज में मनाया गया शौर्य और समर्पण का पर्व

साजा/मूक पत्रिका

कुमारी देवी चौबे कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, साजा में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर वीर जवानों की शौर्यगाथा को नमन करते हुए देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में राष्ट्रीय गर्व, बलिदान और समर्पण की भावना जागृत करना रहा। राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. गोविन्द प्रसाद कन्नौजे ने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सेना के साहस, बलिदान और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि कैसे भारतीय सैनिकों ने दुर्गम हिमालयी क्षेत्रों में दुश्मनों को पराजित कर देश की सीमाओं की रक्षा की। वहीं डॉ. राजेश कुमार इक्का ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि यह विजय केवल युद्ध में जीत नहीं, बल्कि भारत की राष्ट्रीय अखंडता, एकता और अदम्य जज़्बे का परिचायक है। कार्यक्रम की शुरुआत भाषण प्रतियोगिता से हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने कारगिल युद्ध, भारतीय सैनिकों के बलिदान और उनके अद्वितीय शौर्य पर ओजस्वी विचार व्यक्त किए। 'अगर मौत भी आई तो हंसकर गले लगाएंगे' और 'कारगिल के वीर ङ्क राष्ट्र की शान' जैसे शीर्षकों ने माहौल को भावुक कर दिया। इसके पश्चात रंगोली प्रतियोगिता में छात्राओं ने कारगिल युद्ध, तिरंगा, हिमालय की चोटियाँ और भारतीय सेना के गौरव को रंगों के माध्यम से चित्रित किया। उनकी कलाकृतियों ने दर्शकों को देश के प्रति समर्पण की भावना से भर दिया। पोस्टर प्रतियोगिता में भी छात्रों ने सैनिकों की वीरता, राष्ट्रगान के अंश और कारगिल के रणनीतिक स्थलों को चित्रों और नारों के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। हर पोस्टर देशभक्ति का जीवंत प्रमाण बना।इसके अतिरिक्त देशभक्ति गीतों की प्रस्तुतियों ने वातावरण को राष्ट्रभक्ति से सराबोर कर दिया। गीतों के माध्यम से छात्रों ने शहीदों को नमन करते हुए उनके बलिदान को स्मरण किया। इस अवसर पर संपूर्ण कॉलेज परिवार ने कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके सपनों के समृद्ध, सुरक्षित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का संकल्प लिया।कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसमें सभी विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं अतिथियों ने भाग लिया और देश के प्रति निष्ठा और समर्पण की भावना के साथ दिवस को यादगार बना दिया।

पत्रकार की गरिमा पर हमला, चुप नहीं बैठेगा पत्रकार समाज, भारतीय पत्रकार समिति

पत्रकार को धमकी और सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी – पत्रकार समिति ने एसपी को सौंपा ज्ञापन, 7 दिन में कार्रवाई की मांग

सूरजपुर/भटगांव/मूक पत्रिका

स्वतंत्र पत्रकार मोहन प्रताप सिंह को सोशल मीडिया पर दी गई धमकियों, अभद्र टिप्पणियों के मामले ने जिले में पत्रकार सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए भारतीय पत्रकार समिति - सूरजपुर इकाई द्वारा पुलिस अधीक्षक सूरजपुर के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया और 7 दिवस में ठोस कार्रवाई की मांग की गई है।

क्या है पूरा मामला?–पत्रकार मोहन प्रताप सिंह, निवासी ग्राम पंचायत बरौंधी, थाना भटगांव, द्वारा पूर्व में दिनांक 5 जुलाई 2025 को भटगांव थाना में अभिषेक मंडल उर्फ गोल्डी मंडल (महामंत्री, युवा मोर्चा भटगांव) के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत में सोशल मीडिया पर की गई अश्लील, मानहानिकारक एवं धमकीपूर्ण टिप्पणियों का उल्लेख किया गया था। लेकिन शिकायत के बाद भी कार्यवाही नहीं होने से आरोपी का मनोबल बढ़ता गया। मोहन प्रताप सिंह ने पुलिस अधीक्षक को दिए गए आवेदन में कहा है कि आरोपी द्वारा लगातार सार्वजनिक स्थलों पर उन्हें और स्थानीय थाना को अपमानित किया जा रहा है और बोला जा रहा है कि बहुत बड़ा पत्रकार बनता है क्या कर लिया शिकायत करके वही थाना को भी बोला जाता है कि प्रभारी ने क्या कर लिया शिकायत करके मेरा कुछ नहीं कर पाओगे, निपटा देने जैसी भाषा का प्रयोग खुलेआम किया जा रहा है। जिससे समाज में भय का वातावरण बन गया है। इससे न केवल पत्रकार की व्यक्तिगत सुरक्षा प्रभावित होती है, बल्कि पत्रकारों की स्वतंत्रता और लोकतंत्र की गरिमा पर भी सवाल उठते हैं।

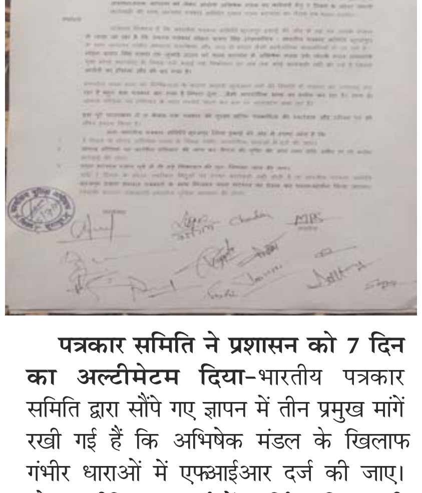

पत्रकार समिति ने प्रशासन को 7 दिन का अल्टीमेटम दिया–भारतीय पत्रकार समिति द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में तीन प्रमुख मांगें रखी गई हैं कि अभिषेक मंडल के खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की जाए। सोशल मीडिया पर पूर्व में प्रदर्शित हथियार की वैधता की जांच की जाए, यदि अवैध हो तो कार्रवाई की जाए। पूर्व में भटगांव थाना में दी गई शिकायत पर पुनः संज्ञान लेकर निष्पक्ष जांच की जाए। संगठन ने स्पष्ट किया है कि यदि 7 दिनों के भीतर इन बिंदुओं पर कार्रवाई नहीं होती, तो थाना भटगांव का घेराव कर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी स्थानीय प्रशासन की होगी।

बयान-हमने पुलिस अधीक्षक सूरजपुर के नाम एक ज्ञापन सौंपा है और अपेक्षा करते हैं कि मामले की गंभीरता को देखते हुए समयबद्ध व निष्पक्ष कार्रवाई की जाएगी। पत्रकारों की गरिमा और सुरक्षा को लेकर किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जा सकता -- लक्ष्मी साहू,जिला अध्यक्ष भारतीय पत्रकार समिति सूरजपुर, छत्तीसगढ़।

जिला महासचिव मोहन प्रताप सिंह पर की गई अभद्र टिप्पणी केवल एक व्यक्ति विशेष पर नहीं बल्कि पूरे पत्रकार समाज पर हमला है। हमने यह स्पष्ट किया है कि यदि ऐसे मामलों में समय पर सख्ती नहीं बरती गई तो भविष्य में कोई भी जनप्रतिनिधि पत्रकारों के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग करने से पहले सौ बार नहीं सोचेगा -- अखिलेश जायसवाल - महासचिव, भारतीय पत्रकार समिति छत्तीसगढ़।

स्थानीय थाना की भूमिका पर समिति की संतुलित प्रतिक्रिया–ज्ञापन में स्थानीय थाना स्तर पर प्राथमिक कार्यवाही न होने पर चिंता व्यक्त की गई है, लेकिन साथ ही प्रशासन से सहयोगात्मक अपेक्षा भी जताई गई है। समिति ने स्पष्ट किया कि वे पुलिस अधीक्षक और वरिष्ठ अधिकारियों से यह आशा करते हैं कि वे स्थानीय स्तर पर आवश्यक निर्देश देकर कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे।

अब निगाहें प्रशासन की ओर–मामले की गंभीरता और पत्रकार संगठनों की सक्रियता को देखते हुए अब सबकी निगाहें जिला प्रशासन की ओर टिकी हैं। पत्रकार जगत की स्पष्ट चेतावनी है कि यदि पत्रकारों की स्वतंत्रता पर हमला होता है और आरोपी पर कार्यवाही नहीं होती, तो वे लोकतांत्रिक ढंग से सड़कों पर उतरने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

संक्षिप्त समाचार

चारों ओर विकास कार्यों में भ्रष्टाचार, चाहे रिपा योजन, स्कूल जतन योजना, या सामग्र शिक्षा की योजना हो सभी योजनाओं में ठेकेदार के साथ मिलीभगत

मूक पत्रिका/ कांकेर :- दुर्गकोदल, शिवसेना द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा गया है कि भ्रष्ट अधिकारियों, भ्रष्ट नेताओं द्वारा दुर्गकोदल को भ्रष्टाचार का चारागाह बना दिया गया है। चारों ओर विकास कार्यों में भ्रष्टाचार हो रहा है। चाहे रिपा की योजना हो या स्कूल जतन योजना हो या समग्र शिक्षा की योजना हो सभी में अधिकारी पार्टनरशिप करके ठेकेदारों के साथ करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार कर रहे हैं। कुछ दिन पूर्व शिवसेना द्वारा दुर्गकोदल रिपा में हुए भ्रष्टाचार के जांच की मांग की थी किंतु सही जांच नहीं होने के कारण मामले को दबा दिया गया था। इसके लिए शिवसेना द्वारा दुर्गकोदल के डांगरा एवं हाटकोंदल रिपा का सारा दस्तावेज सूचना के अधिकार के माध्यम से निकाला गया और आज भ्रष्टाचार को उजागर किया जा रहा है। रिपा योजना जो कि ग्रामीणों को रोजगार देने हेतु बनाया गया था। जिसमें अधिकारियों द्वारा भ्रष्टाचार करके लाखों करोड़ों की पुरानी मशीनों को लगा दिया गया । बाउंड्री वॉल में भ्रष्टाचार किया गया। सीसी सड़क बनाने में भ्रष्टाचार किया गया। सड़क पुलिया बनाने में भ्रष्टाचार किया गया। टीन शेड बनाने में भ्रष्टाचार किया गया।

13 अगस्त को होगा बैलाडीला ट्रक ओनर्स एसोसिएशन का एकवर्षीय चुनाव

25 जुलाई की आमसभा में पारित हुआ चुनाव करवाने का निर्णय

मूक पत्रिका/दंतेवाड़ा/किरंदुल – दक्षिण बस्तर में ट्रक मालिकों की सबसे बड़ी संस्था बैलाडीला ट्रक ओनर्स एसोसिएशन की 25 जुलाई को बिटीओ के सभागार में हुई आमसभा में संस्था के सभी सदस्यों ने एक मत से आगामी 13 अगस्त को बिटीओ के वार्षिक चुनाव करवाने पर मुहर लगा दी । उल्लेखनीय हैं कि बैलाडीला ट्रक ओनर्स एसोसिएशन बिटीओ का पिछला एक वर्षीय चुनाव 31 जुलाई को भारी भरकम हंगामे के बीच संपन्न हुआ था । उल्लेखनीय हैं कि वर्तमान कमेटी का एक वर्षीय कार्यकाल 31 जुलाई को खत्म हो जायेगा ।खैर इन कयासों का तो दौर 25 जुलाई की आमसभा में तो समाप्त हो गया कि आमसभा के बाद बिटीओ का कार्यभार सुपर कमेटी के हाथों में ना जा कर सीधे 13 अगस्त को मतदान प्रणाली से बैलाडीला ट्रक ओनर्स एसोसिएशन की नई कमेटी का चयन बैलाडीला ट्रक ओनर्स एसोसिएशन के सदस्य मतदाताओं के द्वारा किया जाना अंतिम रूप ले चुका है ।

भुरसीडोंगरी बन चुका है शराबियों का अड्डा

मूक पत्रिका/धमतरी/नगरी – पूरे छत्तीसगढ़ में भुरसीडोंगरी सबसे ज्यादा सरकारी नौकरी करने वालों की गांव के रूप में विख्यात है। और यह गांव के लिए ही नहीं अपितु तहसील और जिला के गर्व की बात है। इतना ही नहीं इस गांव से श्रीकांत को राष्ट्रपति के द्वारा पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया था। अभी कुछ महीनों पूर्व से ग्रामीण अपने गांव का इज्जत स्वयं ही नीलाम कर रहे हैं।भुरसीडोंगरी में महुवा दारू अत्यधिक मात्रा में बनाने और खुले आम बेचने लगे हैं, और आसपास गांव के सभी शराबी यही दारू पीने के लिए आते हैं। ग्रामीण शिक्षित होने के बावजूद ऐसे तुच्छ हरकत कर रहे हैं और ग्राम पंचायत शराब बेचने वाले के खिलाफ कोई कार्यवाही भी नहीं कर रही है। पुलिस प्रशासन भी मौन। शराब के वजह से ही अभी एक घटना सामने आई है बीते सप्ताह की बात है एक शराबी नशे की हालत में गंदी गंदी गालियां दें रहा था रोड पे, एक 55 वर्षीय अनुसूचित जाति के महिला ने टोका तो उसी के साथ मारपीट किया। मारपीट इतना ज्यादा था कि महिला का चूड़ी टूटने के वजह से खून निकलने लगा था। यदि शराब पर भुरसीडोंगरी में कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया तो इससे बड़े बड़े दुर्घटनाये हो सकती है।

खबर का असर : जनहित में खबर का असर

मूक पत्रिका की खबर के बाद जागा वन विभाग, सूखे पेड़ों पर कार्रवाई की तैयारी

जगदलपुर/बस्तर – मुक पत्रिका की जनहित में प्रकाशित खबर ने आखिरकार असर दिखा दिया है। राष्ट्रीय राजमार्ग और अन्य प्रमुख सड़कों के किनारे खतरनाक स्थिति में खड़े सूखे पेड़ों को लेकर मुक पत्रिका द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के बाद जनप्रतिनिधियों ने सक्रियता दिखाई और वन मंडलाधिकारी, जगदलपुर को लिखित आवेदन सौंपा। वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी से जब फोन पर संपर्क किया गया तो उन्होंने स्पष्ट कहा मैं स्वयं इस विषय को गंभीरता से लेते हुए वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले स्थानों को चिन्हांकित कर, सूखे पेड़ों की कटाई के लिए अनुमति देने की प्रक्रिया शुरू कर रहा हूं।

मौत को दावत देते सुखे पेड़! कब जागेगा वन विभाग?

बस्तर मार्ग पर खड़ी है मौत बस्तर की जनता पूछ रही है: जवाबदेही किसकी?

जगदलपुर (बस्तर)/मूक पत्रिका

राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे, आसना से बकावंड जाने वाली सड़क, आसना बादल अकेडमी के पास , लामनी सड़क पर दर्जनों जगहों पर खतरनाक स्थिति में खड़े हैं मृतक सुखे पेड़, जो कभी भी किसी की जान ले सकते हैं। तेज हवा या हल्की बारिश भी इन पेड़ों को ज़मीन पर गिरा सकती है – लेकिन वन विभाग और प्रशासन अब तक गहरी नींद में हैं।

बस्तर की जनता का कहना है कि ये पेड़ सिर्फ सुखे नहीं हैं, बल्कि ज़िंदा लोगों के लिए चलते-फिरते खतरे बन चुके हैं। राह चलते अगर किसी वाहन, बाइक सवार, या पैदल यात्री के ऊपर पेड़ गिरता है, तो क्या वन विभाग इसकी ज़िम्मेदारी लेगा? या फिर हमेशा की तरह हादसे के बाद फाइलों में दबी रिपोर्टें और बयानों का ढकोसला चलेगा?

जनता का सीधा सवाल ङ -कब हटेंगे ये मौत के संकेत?-

क्या वन विभाग किसी बड़ी जान-माल की क्षति का इंतज़ार कर रहा है?

क्या मौत आने के बाद ही कार्रवाई होगी?

बस्तर की जनता की तीन प्रमुख माँगें:

1?? इन मृतक पेड़ों की तुरंत पहचान कर कटाई की जाए।

2?? वन विभाग और लोक निर्माण विभाग संयुक्त कार्रवाई करें।

3?? ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण और निगरानी की व्यवस्था की जाए

यह केवल लापरवाही नहीं, एक प्रशासनिक अपराध है

अगर आज एक सुखा पेड़ किसी मासूम पर गिरता है और उसकी जान जाती है, तो यह -दुर्घटना- नहीं बल्कि वन विभाग और प्रशासन की घोर नाकामी होगी।

बस्तर की जनता की चेतावनी: -अब अगर कोई हादसा हुआ ङ तो हम चुप नहीं बैठेंगे।

न सिर्फ सवाल पूछेंगे, बल्कि जिम्मेदारों को सड़कों पर घसीट कर जवाबदारी तय करवाएंगे।

सबसे बड़ा सवाल ङ क्या वन विभाग देगा मुआवज़ा?

-वन मंडल के अधिकारियों की निष्क्रियता के कारण इन जानलेवा सुखे पेड़ों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।-

बस्तर की जनता पूछ रही है ङ यदि किसी की जान या संपत्ति को नुकसान होता है, तो क्या वन विभाग मुआवजा देगा?

या फिर पीड़ित परिवारों को भी सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने पर मजबूर होना पड़ेगा?

शासन-प्रशासन से खुली अपील:

अब समय आ गया है कि नींद से जागिए और अपनी जिम्मेदारी निभाइए।

वरना जनता की आवाज़ इस बार सिर्फ दरवाज़े पर नहीं, बल्कि गेट तोड़कर सवाल करने आएगी।

खतरे की जड़ – सूखे पेड़ : बस्तर में आसना–बकावंड मार्ग, आसना बादल अकादमी के आसपास, लामनी रोड समेत दर्जनों स्थानों पर वर्षों से सूखे पेड़ किसी बड़े हादसे को न्योता दे रहे हैं। बारिश, तेज हवा या हलकी तूफानी स्थिति में ये पेड़ सड़कों पर गिरकर यात्रियों की जान ले सकते हैं।

जनता की माँगें

1 खतरनाक पेड़ों की तत्काल पहचान और कटाई।

2 वन विभाग और ब्बुष्ठ की संयुक्त कार्रवाई।

3 संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण की पुख्ता व्यवस्था।

मुआवज़ा का सवाल

अगर किसी की जान या संपत्ति को नुकसान होता है, तो क्या वन विभाग मुआवज़ा देगा?

या फिर पीड़ित परिवारों को महीनों सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने होंगे?

समाचार प्रभावी रहा ङ लेकिन कार्रवाई अधूरी है।

जनता अब परिणाम देखना चाहती है, आश्वासन नहीं।

कस्तूरबा कन्या छात्रावास की छात्राओं ने नई अधीक्षिका के विरोध में रैली निकाली

कलेक्टर बंगले के सामने जाकर किया घेराव छात्राओं ने की नारे बाजी

पुवॅ जिला पंचायत अध्यक्ष तुलिका कर्मा मौके पर पहुची

मूक पत्रिका/ दंतेवाड़ा – बीते शनिवार को तड़के में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के छात्राओं का आरोप है कि पुरानी अधीक्षिका छात्रावास के नियमों का पालन नहीं कर रही हैं और छात्राओं के साथ दुर्व्यवहार करती थी।

जिसे जिला प्रशासन ने पुरानी अधीक्षिका का स्थानांतरण कर नई अधीक्षिका सविता सुन्नम को पदस्थ किया है जो आज ज्वाइनिंग करने वाली है जिसके विरोध में लगभग सभी छात्रावास की कन्या सुबह सात बजे कलेक्टर बंगले के सामने हाथों में तकटी से लेकर धरना प्रदर्शन किया। किसी प्रकार उन्हें समझाकर वापस छात्रावास लौटाया गया। उनकी मांग है कि उनके छात्रावास के ही टीचर को छात्रावास का अधीक्षक बनाया जाए। सविता सुन्नम अधीक्षिका के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। छात्राओं का कहना है कि पुरानी अधीक्षिका छात्रावास के नियमों का पालन नहीं कर रही हैं और छात्राओं के साथ अभद्र व्यवहार करती हैं।

छात्राओं ने बताया कि अधीक्षिका ने छात्रावास में कई ऐसे नियम लागू किए हैं जो छात्राओं के लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं।

छात्राओं ने यह भी आरोप लगाया कि अधीक्षिका छात्राओं के साथ बदसलूकी करती हैं और उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित करती हैं।

इस विरोध प्रदर्शन के बाद, छात्राओं ने जिला प्रशासन से अधीक्षिका को हटाने की मांग किए थे । पर अब नई अधीक्षिका का भी विरोध हो रहा है अब देखने वाली बात ये है जिला प्रशासन इस समस्या का हल की प्रकार निकलेगा।

जनपद उपाध्यक्ष भीमसेन मंडावी ने किया धनीकरका पोटाकेबिन का निरीक्षण

सुरनार आश्रम का भी किया गया निरीक्षण

अधीक्षक एवं कर्मचारियों को दिया बच्चों को गर्म पानी एवं गरम खाना परोसने का आदेश

मूक पत्रिका/ दंतेवाड़ा – जिले के कटेकल्याण विकासखण्ड अन्तर्गत ग्राम पंचायत धनीकरका पहुंचे जनपद पंचायत कटे कल्याण के उपाध्यक्ष भीमसेन मांडवी। जनपद उपाध्यक्ष द्वारा लगातार अपने जनपद पंचायत क्षेत्र के विकास हेतु तत्पर रहते हैं और आयें दिन अपने जनपद क्षेत्र का दौरा कर लगातार ग्रामीणों की समस्याओं को दूर करने के साथ ही शासन की योजनाओं को भी अपने जनपद क्षेत्र के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचा रहे हैं ।

जनपद उपाध्यक्ष भीमसेन मंडावी अपने एक दिवसीय दौरे पर बीते शनिवार को ग्राम पंचायत सूरनार एवं धनीकरका पहुंचकर आश्रम एवं पोटाकेबिन तथा आगनबाड़ी केंद्रों का दौरा किया । भीमसेन मंडावी द्वारा बच्चों से खाने गुणवत्ता पूछा गया, बच्चों ने कहा मीनू आधार पर बनता है । भीमसेन मंडावी ने आश्रम अधीक्षक को निर्देश दिया की बरसात के मौसम में बच्चों को गरमा गरम खाना एवं गर्म पानी और सभी को मच्छरदानी प्रदाय किया जाए और आंगनबाड़ियों मे हर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सुझाव भी दिया गया जो भी कुपोषित बच्चे आते हैं, उनको विशेष रूप से ध्यान दिया जाए। बच्चों को मनोरंजन भी कराया जाए और जो बच्चे नहीं आते है उनको सहायिका के माध्यम से बुलाया जाए ।बच्चों को अ से अनार,आ से आम एवं ब्ब्ष्ठ भी सिखाया जाए, बच्चे आंगनबाड़ी में ही पढ़कर स्कूल में जाते हैं सीखते हैं ।

ऐसे ही सुझाव भीमसेन मंडावी द्वारा स्कूलों में भी शिक्षकों को दिया गया है कि बच्चों को शिक्षा बच्चों को शिक्षा के साथ साथ मनोरंजन , स्थानीय खेल , सामान्य ज्ञान का भी शिक्षा दिया जाए। इस अवसर पर स्कूली शिक्षक गण,आश्रम तथा पोटा केबिन अधीक्षक , आंगनवाड़ी सुपरवाइजर एवं कार्यकर्तागण एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

शराब के नशे में उपद्रव करने वाले युवक की गिरफ्तारी हुई

कोरबा। टीपी नगर स्थित ओएनसी बार और पाम मॉल के बाहर गत 6 जुलाई की रात हुए शराबी हंगामे के मामले में पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी युवक की पहचान अभिषेक सिंह उर्फ छोटू (31 वर्ष), निवासी मुड़ापार, चैकी मानिकपुर जिला कोरबा के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक्टिवा स्कूटी (सीजी 12 बीएफ 3700) भी जप्त की है। गौरतलब है कि 6 जुलाई की रात, ओएनसी बार और पाम मॉल परिसर के बाहर शराब के नशे में धुत युवक–युवती ने जमकर उत्पात मचाया था। पुलिस द्वारा समझाइश देने पर भी दोनों ने पुलिसकर्मियों से अभद्रता की और शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर कोरबा में शराबी युवती का हाईवोल्टेज ड्रामा शीर्षक से वायरल हो गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतिश ठाकुर और नगर पुलिस अधीक्षक भूषण एक्का के निर्देश पर सिविल लाइन थाना और सीएसईबी चैकी की संयुक्त टीम ने कार्यवाही की। चैकी प्रभारी स.उ.नि. भीमसेन यादव की टीम ने वायरल वीडियो की पुष्टि के बाद आरोपी युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर अदालत में पेश किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में वायरल वीडियो में दिख रही युवती की भी जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

आरक्षक भर्ती : लिखित परीक्षा के लिए पात्र अभ्यर्थियों की सूची जारी

बिलासपुर। जिला पुलिस बल आरक्षक संवर्ग के सीधी भर्ती वर्ष 2023–24 अंतर्गत 16 नवंबर 2024 से 19 जनवरी 2025 तक बिलासपुर रेंज, भर्ती केन्द्र क्रमांक–01, 2री वाहिनी, छसबल, सकरी में जिला बिलासपुर, कोरबा, मुंगेली एवं गौरेला–पेण्ड्रा मरवाही के सम्मिलित अभ्यर्थियों का दस्तावेज परीक्षण, शारीरिक मापजोख एवं शारीरिक दक्षता परीक्षा का आयोजन किया गया। शारीरिक दक्षता परीक्षा में प्राप्तांक के आधार पर लिखित परीक्षा हेतु पात्र पाये गये 15 गुना अभ्यर्थियों की सूची पुलिस मुख्यालय रायपुर के अधिकारिक वेबसाईटपर अपलोड किया गया है।

जनपद सदस्य पवन कर्मा ने फ़रसपाल क्षेत्र में आंगनवाड़ी केंद्रों का किया निरीक्षण

आंगनवाड़ी सुपरवाइजर एवं कार्यकर्ता की मौजूदगी में किया निरीक्षण

मूक पत्रिका/ दंतेवाड़ा – जिले के गीदम विकासखण्ड अन्तर्गत ग्राम पंचायत फ़रसपाल पहुंचे जनपद सदस्य पवन कर्मा। जनपद सदस्य पवन कर्मा लगातार अपने जनपद पंचायत क्षेत्र के विकास हेतु तत्पर रहते हैं और आयें दिन अपने जनपद क्षेत्र का दौरा कर लगातार ग्रामीणों की समस्याओं को दूर करने के साथ ही शासन की योजनाओं को भी अपने जनपद क्षेत्र के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचा रहे हैं । जनपद सदस्य एवं शिक्षा समिति सदस्य पवन कर्मा अपने एक दिवसीय दौरे पर आज ग्राम पंचायत फ़रसपाल कुंडेनार एवं आलनार पहुंचकर स्कूल एवं आगनबाड़ी केंद्रों का दौरा किया । पवन कर्मा द्वारा बच्चों से खाने गुणवत्ता पूछा गया, बच्चों ने कहा मीनू आधार पर बनता है और आंगनबाड़ियों मे अंडा, कोसरा का चावल से खाना भी बनता है। पवन कर्मा द्वारा हर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सुझाव भी दिया गया जो भी कुपोषित बच्चे आते हैं, उनको विशेष रूप से ध्यान दिया जाए। बच्चों को मनोरंजन भी कराया जाए और जो बच्चे नहीं आते है उनको सहायिका के माध्यम से बुलाया जाए ।बच्चों को अ से अनार,आ से आम एवं ब्ब्ष्ठ भी सिखाया जाए, बच्चे आंगनबाड़ी में ही पढ़कर स्कूल में जाते हैं सीखते हैं ।

ऐसे ही सुझाव जनपद सदस्य पवन कर्मा द्वारा स्कूलों में भी शिक्षकों को दिया गया है कि बच्चों को शिक्षा बच्चों को शिक्षा के साथ साथ मनोरंजन , स्थानीय खेल , सामान्य ज्ञान का भी शिक्षा दिया जाए। इस अवसर पर आंगनवाड़ी सुपरवाइजर एवं कार्यकर्तागण एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

अखबारों में नेगेटिव हेडलाइन के बाद हरकत में आई पालिका – मुक्तिधाम की सफाई में उतारा अमला

बारिश में तिरपाल ढककर मृतक को देनी पड़ती हैं अंतिम विदाई

चुनाव के समय सभी प्रत्याशियों के घोषणा पत्र में होता है मुक्तिधाम का मुद्दा

मूक पत्रिका/दंतेवाड़ा/किरंदुल – छत्तीसगढ़ राज्य की सबसे अमीर नगर पालिकाओं में शुमार किरंदुल नगर पालिका परिषद का अपनी स्थापना के समय से ही विवादित समाचारों के लिए प्रिंट मीडिया के साथ साथ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की हेडलाइन बनती रही है । ऐसे ही एक ताजे मामले को लेकर किरंदुल नगर पालिका परिषद विगत सप्ताह भर से अखबारों की हेड लाइन में बनी हुई है ।उल्लेखनीय हैं कि किरंदुल नगर और बचेली नगर के लिए दोनों शहरों के बीच एक ही मुक्तिधाम है । जिसका हाल किसी से भी छुपा हुआ नहीं है ।किरंदुल नगर पालिका परिषद की स्थापना के समय से लेकर आज वर्तमान समय तक किरंदुल पालिका परिषद में जिस प्रतिनिधि ने बतौर अध्यक्ष पद पर राज किया उन सबके घोषणा पत्र में एक मुद्दा मुक्तिधाम को सुसज्जित करने के साथ साथ विद्युत शवदाह गृह का निर्माण भी उल्लेखित जरूर होता था ।परंतु विडंबना और हकीकत यह है कि उक्त मुक्तिधाम में बने शेड की सीटें ही नहीं है बरसात के दिनों में लोगो को अपने परिजनों को अंतिम विदाई देने के लिए तिरपाल या छाते का सहारा लेकर की मृतक के शव को अग्नि दे कर अंतिम संस्कार करना पड़ता है । विदित हो कि किरंदुल में विगत कई दिनों में जारी मूसलाधार बारिश के दौरान मृतकों के शव दहन के समय मुक्तिधाम बने शेड के ऊपर की टिन नहीं होने के कारण परिजनों को तिरपाल का या छाते का सहारा लेकर मृतक के शव को अग्नि देनी पड़ती हैं साथ ही गंदगी का आलम तो बयां भी नहीं किया जा सकता है ।बारिश में मुक्तिधाम की समस्या को लेकर विगत सप्ताह भर से किरंदुल पालिका समाचारों की नेगेटिव हेड लाइन बनी हुई थी ।साथ ही जनता जनार्दन की नाराजगी को देखते हुए शनिवार को पालिका प्रशासन ने मुक्तिधाम की सफाई तो करवा दी परंतु देखने लायक बात यह होगी कि मुक्तिधाम की अगली सफाई पालिका प्रशासन कब करवाएगी ।

बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल ने स्व. निखिल कश्यप को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

मूक पत्रिका/बस्तर – छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री शकेदार कश्यप, पूर्व सांसद दिनेश कश्यप एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप के सुपुत्र स्व. निखिल कश्यप के दुखद निधन पर आयोजित शोक सभा में बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल ने पहुंचकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

विधायक बघेल ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि स्व. निखिल कश्यप का असमय निधन न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे बस्तर क्षेत्र के लिए एक अपूरणीय क्षति है, जिसे कभी भरा नहीं जा सकता।

इस दुःखद अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। सभी ने श्रद्धासुमन अर्पित कर दिवंगत आत्मा को अंतिम विदाई दी।

कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रूप से अरविंद नेताम, बालेश दुबे, मानसिंह कवासी, बैद्यनाथ मौर्य, हेमराज बघेल, रियाज खान, जितेंद्र तिवारी, राजेश कुमार सहित अनेक कार्यकर्ता व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे ।पूरा क्षेत्र शोक में डूबा हुआ है और सभी ने निखिल कश्यप के निधन को एक व्यक्तिगत क्षति के रूप में महसूस किया है।

चाईना ओपनः

सिंधू पर जीत दर्ज करने वाली 17 साल की उन्नति को क्वार्टर फाइनल में मिली हार

● यामागुची ने किया बाहर

चांग्झू (चीन), एजेंसी। पिछले दौर में अपनी आदर्श खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को हराने वाली 17 वर्षीय हुड्डा क्वार्टर फाइनल में जापान की खिलाड़ी से 33 मिनट तक

चले मैच में 16-21, 12-21 से हार गईं। भारत की उभरती बैडमिंटन स्टार उन्नति हुड्डा का चाइना ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट में शानदार सफर शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में जापान की विश्व की चौथे नंबर की खिलाड़ी अकाने यामागुची से सीधे गेम में हार के साथ समाप्त हो गया। भारत की उम्मीद अब सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी पर टिकी है जो क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के यू सिन ओंग और ई यी तेओ का सामना करेगी। पिछले दौर में अपनी आदर्श खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को हराने वाली 17 वर्षीय हुड्डा क्वार्टर फाइनल में जापान की खिलाड़ी से 33 मिनट तक चले मैच में 16-21, 12-21 से हार गईं। उन्नति के बाहर होने के साथ ही टूर्नामेंट में भारत का एकल में अभियान समाप्त हो गया। पहले गेम में हूडा ने यामागुची को बराबर की टक्कर दी लेकिन वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाई और जापान की खिलाड़ी ने लगातार पांच अंक बनाकर यह गेम अपने नाम कर दिया। इस गेम में हुड्डा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लगातार तीन अंक लेना था। दूसरे गेम में भी यही कहानी दोहराई गई। भारतीय खिलाड़ी ने बीच में थोड़ी देर के लिए चुनौती पेश की और लगातार चार अंक हासिल किए लेकिन यामागुची ने लगातार छह अंक बनाकर दूसरा गेम 21-12 से अपने नाम करके सेमीफाइनल में जगह बनाई।

जायसवाल के बचपन के कोच ज्वाला सिंह ने बताया टेस्ट में जीतने का तरीका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के बचपन के कोच ज्वाला सिंह ने मैनचेस्टर टेस्ट और एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में अब तक भारत के प्रदर्शन का आलोचनात्मक मूल्यांकन किया है और सुझाव दिया है कि दो-तीन बल्लेबाजों को लंबी पारियां खेलनी चाहिए, जबकि मध्य और निचले क्रम के बल्लेबाजों को टीम के समग्र प्रदर्शन में और योगदान देना होगा। अब तक शीर्ष क्रम के योगदान पर विचार करते हुए सिंह ने

साई सुदर्शन, ऋषभ पंत और जायसवाल के प्रयासों की सराहना की, लेकिन एक लंबी, मैच-परिभाषित पारी की कमी पर भी ध्यान दिलाया, जो उनके अनुसार टेस्ट मैच जीतने के लिए महत्वपूर्ण है। सिंह ने कहा, अगर आप सलामी बल्लेबाजों पर गौर करें, तो साई सुदर्शन ने कुछ रन बनाए और चोट के बावजूद ऋषभ पंत ने भी योगदान दिया। यशस्वी ने रन बनाए और कुछ अन्य बल्लेबाजों ने छोटी लेकिन उपयोगी पारियां खेलीं। लेकिन अगर आपको टेस्ट मैच जीतना है, तो एक या दो खिलाड़ियों को बड़ी और लंबी पारियां खेलनी होंगी। उन्होंने कहा, पहले टेस्ट मैच में हमने जो गलतियां कीं, वे तीसरे टेस्ट में भी दोहराई गईं। हमें मध्य और निचले क्रम से और योगदान की जरूरत थी। हमने दूसरा टेस्ट मुख्य रूप से शुभमन गिल के बड़े स्कोर की बदौलत जीता। उनकी पारी ने उस जीत को सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई। बल्लेबाजों को यहां भी जिम्मेदारी लेने की जरूरत थी, लेकिन दुर्भाग्य से उन्होंने ऐसा नहीं किया।

ओलम्पिक 2036:

भारत को मिलेगी 2036 ओलंपिक की मेजबानी ?

नई दिल्ली, एजेंसी। आईओए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रघुराम अय्यर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम यह मानना चाहेंगे कि हम बहुत सकारात्मक हैं, लेकिन फिर भी यह कहना जल्दबाजी होगी भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) 2036 ओलंपिक की मेजबानी के अधिकार मिलने को लेकर बहुत सकारात्मक है, लेकिन उसे लगता है कि अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी क्योंकि और भी देश इस दौड़ में शामिल हो रहे हैं।

कतर नवीनतम देश है जिसने खुलासा किया है कि उसने 2036 खेलों की मेजबानी के अधिकारों के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के भविष्य मेजबान आयोग के साथ बातचीत प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह मेजबान देश के चयन से पहले की लंबी प्रक्रिया का पहला कदम है। आईओए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रघुराम अय्यर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम यह मानना चाहेंगे कि हम बहुत सकारात्मक हैं, लेकिन फिर भी यह कहना जल्दबाजी होगी कि किसे मेजबानी के अधिकार मिलेंगे, क्योंकि अब भी कई देश इसमें शामिल हो रहे हैं।

भारत ने पिछले साल ओलंपिक की मेजबानी के लिए रुचि पत्र प्रस्तुत किया था और वह आईओसी के भविष्य मेजबान आयोग (एफएचसी) के साथ निरंतर संवाद प्रक्रिया में एक कदम आगे है। अगला कदम लक्षित संवाद प्रक्रिया है जिसके बाद ही एफएचसी आईओसी कांग्रेस को पसंदीदा मेजबान देश की सिफारिश करेगा। उन्होंने कहा कि 2036 ओलंपिक के लिए मेजबान देश का नाम दो साल बाद ही पता चलने की संभावना है क्योंकि आईओसी ने खुद पूरी प्रक्रिया पर 'रोक' लगाने की घोषणा की है। अय्यर ने कहा, हम इस समय आईओसी के साथ निरंतर बातचीत के दौर में हैं। आईओसी के लिए अभी ठहरकर सोचने का समय है क्योंकि उसे अभी नया अध्यक्ष मिला है जो आईओसी में कुछ बदलाव ला रहा है। अगले कुछ वर्षों में हमें पता चल जाएगा कि यह किस दिशा में बढ़ रहा है। वहीं आईओए के कार्यकारी सदस्य हरपाल सिंह ने 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की बोली के फैसले पर कहा, यह प्रक्रिया चल रही है। राष्ट्रमंडल खेल प्रतिनिधि, टीम प्रबंधन और खेल प्रबंधन पहले सभी संभावित मेजबानों से बातचीत करेंगे जिसके बाद नवंबर के आखिरी हफ्ते में ग्लास्गो में होने वाली आमसभा में मेजबान को चुना जाएगा। कनाडा के बोली की दौड़ से हटने के बाद भारत की 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी पाने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। उन्होंने कहा, हमें पूरी उम्मीद है कि 2030 के खेल भारत में आयोजित होंगे।

आईओए एथलीट आयोग के उपाध्यक्ष शरत कमल ने 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस पर इंडिया प्लेज कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की जिसका उद्देश्य 10 करोड़ लोगों को किसी विशेष खेल या किसी गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रेरित करना है। पूर्व टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत ने कहा, हम स्पष्ट रूप से देख सकते हैं कि भारत एथलीट-केंद्रित कार्यक्रमों बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। हम 'इंडिया प्लेज' नाम का एक अभियान शुरू करेंगे जिसका उद्देश्य हमारे राष्ट्रीय खेल दिवस 29 अगस्त को 10 करोड़ लोगों को किसी विशेष खेल या किसी गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रेरित करना होगा।

ऋषभ पंत की इंजरी के बाद ICC कर सकती है नियमों में बदलाव...

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर के ओल ट्रैफर्ड में खेले जा रहे टेस्ट मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को गंभीर चोट लगी. ऋषभ पंत को यह चोट पहले दिन के खेल के दौरान दाएं पैर के अंगूठे में लगी थी, तब वो क्रिस वोक्स की गेंद पर रिवर्स स्वीप मारने की कोशिश कर रहे थे. ऋषभ काफी दर्द में दिखे और उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा.

हालांकि ऋषभ पंत ने अगले दिन फिर से बल्लेबाजी की और अर्धशतक जड़ने भी कामयाब रहे. हालांकि पंत इस मैच में विकेटकीपिंग करने की हालत में नहीं हैं. ऐसे में उनकी जगह विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी ध्रुव जुरेल निभा रहे हैं. एक बात गौर करने वाली है कि जुरेल सिर्फ कीपिंग कर सकते हैं, वो आईसीसी (इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल) के नियमानुसार बल्लेबाजी या गेंदबाजी नहीं कर पाएंगे. मौजूदा नियमों के तहत अगर कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाए तो उसकी जगह आने वाला सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी सिर्फ फील्डिंग कर सकता है, लेकिन वो खिलाड़ी बैटिंग या बॉलिंग नहीं कर सकता. लेकिन यदि खिलाड़ी को सिर या आंख में चोट लगती है और वो कन्कशन टेस्ट में फेल हो जाता है, तो कन्कशन सब्स्टीट्यूट का इस्तेमाल किया जा सकता है. कन्कशन सब्स्टीट्यूट गेंदबाजी, बल्लेबाजी या फील्डिंग कर सकता है.

आईसीसी करेगी नियमों में बदलाव?

अब ऋषभ पंत की इंजरी के बाद आईसीसी सब्स्टीट्यूट नियमों में बदलाव कर सकता है. रिपोर्ट के मुताबिक आने वाले समय में बाहरी चोटों के लिए भी टीमों को रिप्लेसमेंट की अनुमति दी जा सकती है. रिपोर्ट में कहा गया है कि आईसीसी इसे लेकर पहले से ही चर्चा कर रहा है. आईसीसी की क्रिकेट समिति की अगली बैठक में इस पर मुहर लग सकती है.

आईसीसी के एक सूत्र ने कहा, इस बात की संभावना है कि गंभीर बाहरी चोटों लगने की स्थिति में टीमों को रिप्लेसमेंट खिलाड़ी लाने की अनुमति दी जाएगी. इस मसले पर पहले से ही विचार-विमर्श चल रहा है. उम्मीद है कि आईसीसी क्रिकेट कमेटी की अगली बैठक में इस पर औपचारिक मुहर लग सकती है. लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट के दौरान भी ऋषभ पंत को चोट लग गई थी. तब ऋषभ पंत तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की गेंद को कलेक्ट करने की कोशिश में अपने बाएं हाथ की तर्जली उंगली चोटिल करा बैठे थे. तब भी उनकी जगह ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की थी, लेकिन मौजूदा नियमों के अनुसार जुरेल बैटिंग नहीं कर पाए थे.

बेंगलुरु भगदड़ मामले में फंसी आरसीबी, कर्नाटक सरकार ने दी केस चलाने की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 की चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु अब कानूनी पचड़े में बुरी तरह से फंस गई है. टीम की विक्ट्री परेड के दौरान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में मची भगदड़ के मामले में कर्नाटक सरकार ने आरसीबी और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने की अनुमति दे दी है. सरकार ने यह फैसला जांच आयोग की रिपोर्ट के आधार पर लिया है, जिसमें आरसीबी केएससीएऔर आयोजन से जुड़ी डीएनएएंटरटेनमेंट नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड को घटना का जिम्मेदार बताया गया है.

क्या था मामला - आरसीबी ने 3 जून को आईपीएल 2025 का फाइनल जीतकर इतिहास रचा था. लंबे इंतजार के बाद टीम ने पहली बार खिताब अपने नाम किया था. अगले ही दिन, यानी 4 जून को आरसीबी टीम बेंगलुरु लौटी और एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक भव्य विक्ट्री परेड और समारोह आयोजित किया गया था. इस इवेंट के दौरान भीड़ पर नियंत्रण नहीं हो पाया. जरूरत से ज्यादा टिकट बांट दिए गए थे जिसके चलते स्टेडियम में क्षमता से अधिक लोग पहुंच गए और अव्यवस्था की वजह से भगदड़ मच गई. इस दर्दनाक हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई और करीब 50 लोग घायल हो गए थे ।

जांच आयोग की रिपोर्ट क्या कहती है - कर्नाटक सरकार ने इस हादसे के बाद 5 जून को रिटायर्ड जस्टिस जॉन माइकल डीकुन्हा के नेतृत्व में एक एकल सदस्यीय जांच आयोग बनाया था. यह रिपोर्ट हाल ही में सरकार को सौंपी गई, जिसे 24 जुलाई को कर्नाटक कैबिनेट ने स्वीकार कर लिया है. भीड़ नियंत्रण के लिए कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए थे ।

डब्ल्यूडब्ल्यूई लीजेंड हल्क होगन की मौत कैसे हुई, डॉक्टरों ने बताई बड़ी वजह

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई सुपरस्टार हल्क होगन का 71 साल की उम्र में निधन हो गया, उन्होंने गुरुवार की सुबह फ्लोरिडा के

क्लियरवॉटर स्थित अपने घर में अंतिम सांस ली। सुपरस्टार हल्क होगन का 71 साल की उम्र में निधन हो गया, उन्होंने गुरुवार की सुबह फ्लोरिडा के क्लियरवॉटर स्थित अपने घर में अंतिम सांस ली। डॉक्टरों ने बताआ है कि सुपरस्टार की मौत की वजह कार्डियक अरेस्ट है। बताया जा रहा है कि डॉक्टर खुद हल्क होगन के घर पर आए थे, उन्हें तुरंत अस्पताल भी ले जाया गया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और दुनिया ने इस लीजेंड को हमेशा के लिए खो दिया था। वैसे कुछ हफ्तों पहले ही ऐसी खबरें चली थीं कि हल्क होगन बेहोश हो गए थे। लेकिन उनती पत्नी स्काई ने उन खबरों का ना सिर्फ खंडन किया था बल्कि उन्होंने इसे अफवाह करार दिया था। उस समय तो उनकी पत्नी ने दो टूक कहा था कि उनके पति का दिल काफी मजबूत है और वे अपनी सर्जरी से उबर रहे हैं।

भावुक हुए फैंस - हल्क होगन का जाना सिर्फ रेसलिंग की दुनिया के लिए एक बड़ी क्षति नहीं है बल्कि एक पूरी पीढ़ी उन्हें देखते हुए बड़ी हुई है, जिन्होंने अपने टीवी पर होगन को रेसलिंग करते हुए देखा, उन्हें कितनी बार वर्ल्ड चैंपियन बनते हुए देखा है। सोशल मीडिया इस समय श्रद्धांजलि के मैसेजों से पट चुका है, हर कोई इस दिग्गज को नम आंखों से विदा कर रहा है।

यश दयाल पर रेप का एक और मामला दर्ज

नाबालिगा ने जयपुर में दर्ज करवाई FIR

जयपुर, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के आलोचनाओं से घिरे तेज गेंदबाज यश दयाल पर एक और बलात्कार का मामला दर्ज हो गया है। जयपुर पुलिस ने एक नाबालिग से बलात्कार का आरोप लगाया है। उत्तर प्रदेश के 27 वर्षीय क्रिकेटर पर पहले से ही गाजियाबाद की एक महिला ने यौन शोषण का आरोप लगाया है। महिला ने आरोप लगाया है कि दयाल ने 5 साल के रिश्ते के दौरान उससे शादी का वादा करके उसका यौन शोषण किया। जयपुर के सांगानेर सदर थाने के अनिल जैमन ने बताया कि ताजा स्प्राथ्मिकी बुधवार को दर्ज की गई। उन्होंने शुक्रवार को यहां कहा, यश दयाल के खिलाफ पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम और (भारतीय न्याय संहिता) की संबंधित धाराओं के तहत बलात्कार के लिए एफआईआर दर्ज की गई है। जैमन के अनुसार पीड़िता ने आरोप लगाया है कि खिलाड़ी ने पहली बार 2023 में उसके साथ बलात्कार किया था जब वह 17 साल की थी और

इसी साल अप्रैल में सीतापुरा इलाके के एक होटल में भी ऐसा ही हमला हुआ था। एसएसओ ने कहा, उसने आरोप लगाया कि क्रिकेटर ने उसके करियर में मदद और सहयोग का वादा किया था। उसने इस साल अप्रैल में उससे संपर्क किया जब वह आईपीएल के लिए जयपुर में था और उसे होटल में बुलाया जहां उसने कथित तौर पर उसके साथ फिर से बलात्कार किया। उन्होंने आगे कहा कि मामले की जांच की जा रही है। मध्यम गति के गेंदबाज दयाल भारतीय घरेलू क्रिकेट में एक जाने-माने गेंदबाज हैं। उन्होंने 2018 में उत्तर प्रदेश के लिए पदार्पण किया और तब से 27 प्रथम श्रेणी मैच खेलकर 84 विकेट लिए हैं। उन्होंने 71 टी20 मैचों में 66 विकेट लिए हैं। दयाल ने 2022 में गुजरात टाइटन्स के साथ अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की और फिर आरसीबी में शामिल हो गए जिसने उन्हें 2024 की खिलाड़ियों की नीलामी में 5 करोड़ रुपए में खरीदा। उन्हें इस साल के सीजन के लिए भी बेंगलुरु टीम ने रिटेन किया था और रजत पाटीदार के नेतृत्व में ट्रॉफी जीतने वाली टीम के एक प्रमुख सदस्य थे।

इंग्लैंड में तिलक वर्मा का दूसरा शतक, 15 छक्के-चौके मारे, दिग्गज पाकिस्तानी बॉलर की भी धुनाई

नई दिल्ली, एजेंसी। तिलक वर्मा इस समय इंग्लैंड में खूब रन बना रहे हैं. टीम इंडिया का ये बल्लेबाज अब तक दो शतक ठोक चुका है. इस दौरान उसने खूब चौके और छक्के लगाए हैं. जहां एक तरफ भारतीय टीम इंग्लैड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलने में बिजी है तो वहीं तिलक वर्मा इंग्लैंड में काउंटी चैंपियनशिप में अपने शानदार प्रदर्शन से गेंदबाजों के नाक में दम किए हुए हैं. काउंटी चैंपियनशिप 2025 में हैंपशर की ओर से खेलते हुए तिलक वर्मा ने नॉटिंघमशर के खिलाफ के 112 रनों की शानदार पारी खेली, जिसके दम पर हैंपशर ने मैच में जबरदस्त वापसी की है. इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के दिग्गज गेंदबाज की खूब धुनाई की. काउंटी चैंपियनशिप 2025 के डिवीजन-1 के 47वें मुकाबले में हैंपशर के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने नॉटिंघमशर के खिलाफ शानदार बैटिंग की. उन्होंने 256 गेंदों में 13 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 112 रनों की पारी खेली. इस दौरान उन्होंने पाकिस्तानी गेंदबाज मोहम्मद अब्बास की गेंदों पर खूब रन बनाए. उनके इस शानदार पारी के दम पर हैंपशर ने तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक 6 विकेट पर 367 रन बना लिए हैं. इससे पहले नॉटिंघमशर ने अपनी पहली पारी 8 विकेट पर 578 रन बनाकर घोषित कर दी थी. हैंपशर अभी भी नॉटिंघमशर से 211 रन पीछे हैं. इस मैच में तिलक वर्मा जब बल्लेबाजी करने के लिए उतरे तो उस समय टीम का स्कोर दो विकेट पर 111 रन था. इसके बाद उन्होंने संभल कर खेलना शुरू किया और एक छोर संभाले रखा. दूसरी तरफ 173 के स्कोर पर हैंपशर के चार विकेट गिए गए, लेकिन इसके बाद तिलक वर्मा कप्तान बिन ब्राउन (28 रन) के साथ मिलकर पारी को संभाला.

तिलक ने एक छोर संभाले रखा

तिलक और ब्राउन ने पांचवें विकेट के लिए 58 रनों की साझेदारी की. ब्राउन के आउट होने के बाद फेलिक्स ऑर्गन (नाबाद 71 रन) तिलक का साथ देने के लिए आए. दोनों बल्लेबाजों ने छठे विकेट के लिए 126 रन जोड़े. इस दौरान तिलक वर्मा ने इस सीजन में अपना दूसरा शतक पूरा किया. इस दौरान उन्होंने नॉटिंघमशर के गेंदबाजों मोहम्मद अब्बास, जॉश टंग, ब्रेट हटन और फरहान अहमद के खिलाफ खूब रन बनाए.

रमन सिंह कांग्रेस पर उंगली उठाने के बजाय अपने गिरेबान में झांके

रमन सिंह के समय पीडीएस सिस्टम में 32000 करोड़ का नान घोटाला हुआ था

रायपुर /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ में पीडीएस सिस्टम और उसकी विश्वसनीयता को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह के बयान पर कड़ा प्रतिवाद करते हुए प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि रमन सिंह मति भ्रम के शिकार हो गये है छत्तीसगढ़ की जनता भूली नही है कैसे उनके कार्यकाल में गरीबों के राशन की संगठित डकैती हुई थी। रमन सिंह के समय पीडीएस सिस्टम में 32000 करोड़ का नान घोटाला हुआ था रमन सिंह कांग्रेस पर उंगली उठाने के बजाय अपने गिरेबान में झांके, रमन सिंह के तीसरे कार्यकाल में ही 26 लाख फर्जी राशन कार्ड बनाकर 36000 करोड़ का नान घोटाला किया गया गरीब और आम जनता के हक़ का राशन खुले बाजारों में बेचा गया। पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार में तो एपीएल और बीपीएल सभी का, चपरासी से लेकर कलेक्टर, आम जनता और मजदूर से लेकर मालगुजार तक सभी के राशन कार्ड बनाये थे। कांग्रेस की सरकार के दौरान पीडीएस की पारदर्शिता और विश्वसनीयता पूरे देश में चर्चित थी, 81 लाख परिवार का राशन कार्ड बनाया गया स्थानीय निकाय ग्राम पंचायत, नगर पंचायत और नगर निगमों में सामान्य सभा में सूची प्रकाशित करके दावा आपत्ति मंगाने के बाद अनुमोदन के आधार पर राशन कार्ड जारी किए गए। 2023 में भाजपा की सरकार आने के बाद फिर से एक बार 81 लाख राशन कार्डों को निरस्त कर जनता को नए कार्ड बनवाने लाइन पर लगा दिया। आज भी 30 लाख से ज्यादा परिवार केवाईसी के बिना राशन कार्ड के लिए भटक रहे। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि आम जनता को भोजन का अधिकार मनमोहनसिंह के नेतृत्व वाली यूपीए की सरकारों ने दिया, भाजपा की सरकारों में केवल भ्रष्टाचार हुए। आज भी छत्तीसगढ़ में 3 महीने के राशन के नाम पर केवल अंगूठा लगवाए जा रहे हैं नगदी लेनदेन कर पीडीएस का चावल खुले बाजारों में बेचे जा रहे हैं आदिवासी क्षेत्रों में नमक और चना की आपूर्ति केवल कागजों पर है। भाजपा सरकार के संरक्षण में आम जनता के हक और अधिकार के पीडीएस का राशन बिचौलियों और कालाबाजारी करने वालों के गोदामों में पहुंच रहा है, पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह को बताना चाहिए कि पीडीएस सिस्टम के घोटालेबाजों को वर्तमान में किसका संरक्षण है?

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि जब से भारतीय जनता पार्टी के सरकार छत्तीसगढ़ में बनी है तब से पीडीएस के स्टॉक का भौतिक सत्यापन ही नहीं हो रहा है। सहकारी सोसाइटी और उपभोक्ता दुकानें भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के लिए चारागाह बना दिया गया है। भोजन का अधिकार प्रधानमंत्री मोदी और विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली सरकार में दिए जाने का दावा भी झूठा है, कांग्रेस की सरकारों की उपलब्धि का श्रेय लेकर उल्टे उनके ही खिलाफ़ गलतबयानी करना भाजपाइयों की आदत बन चुकी है।

गायक/अभिनेता आरुष दयाल की पहली दिल को छू लेने वाली संगीतमय पेशकश सजना वे - प्रेम की एक रूह को छू लेने वाली कविता

मुंबई/मूक पत्रिका

जित/पूनम जग्गी मुंबई- संगीत, भावना और कहानी कहने की शक्ति को एक साथ लाते हुए, आनंद पिक्चर्स द्वारा प्रस्तुत ÷सजना वे÷ एक मार्मिक रोमांटिक गीत है जो दिल को छू जाता है। अपने पहले गीत में दोहरी भूमिका में गायक और अभिनेता आरुष दयाल की विशेषता वाला यह गहरा मार्मिक गीत प्रतिभाशाली निर्देशक विवेक चौहान द्वारा निर्देशित है, शर्मिष्ठा दास द्वारा संगीतबद्ध और प्रशंसित गीतकार श्लोक लाल द्वारा लिखा गया है। सुनील सैनी द्वारा निर्मित यह संगीत वीडियो प्रेम के कालातीत आकर्षण को दर्शाता है। एक रोमांटिक पृष्ठभूमि पर आधारित, ÷सजना वे÷ एक एहसास है, एक अनुभव है आरुष दयाल की प्रभावशाली आवाज़ और स्क्रीन पर उनकी प्रभावशाली उपस्थिति के साथ, यह ट्रैक उन शांत, आत्मनिरीक्षण भरी रातों और तड़प के पलों के लिए एक ज़रूरी गीत बनने के लिए तैयार है। आरुष दयाल न्यूयॉर्क के एक प्रशिक्षित गायक और अभिनेता हैं। उन्होंने एक पुरस्कार विजेता फिल्म 'वन एंग्री ब्लैक मैन' में अभिनय किया है, जिसे न्यूयॉर्क के एएमसी थिएटर में प्रदर्शित किया गया था। उन्होंने न्यूयॉर्क में 20 से ज़्यादा ऑफ-ब्रॉडवे प्रस्तुतियों में भी काम किया है। अब वह अपनी अद्भुत आवाज़ से जादू बिखेरने के लिए अपने गृहनगर मुंबई लौट आए हैं। आरुष दयाल कहते हैं ÷सजना वे मेरे दिल का एक टुकड़ा है जिसे मैं दुनिया के साथ साझा कर रहा हूँ। इसमें एक अनकहा दर्द है जो हम तब महसूस करते हैं जब हम किसी से गहरा प्यार करते हैं। इसे रिकॉर्ड करना और परफॉर्म करना ऐसा लगा जैसे मैं उन भावनाओं को फिर से जी रहा हूँ जिन्हें मैंने दबा रखा था। यह अब तक की मेरी सबसे ईमानदार संगीत अभिव्यक्ति है। मुझे उम्मीद है कि हर श्रोता को इसमें अपनी प्रेम कहानी का एक टुकड़ा मिलेगा।÷ गीत के बारे में बताते हुए, विवेक चौहान कहते हैं ÷सजना वे को विजुअली सुनाना एक नाजुक चुनौती थी। मैं चाहता था कि भावनाएं शब्दों से ज़्यादा ज़ोर से बोलें। हमने उस प्यार के सार को पकड़ लिया जो खामोशी के बाद भी बना रहता है। आरुष ने एक ऐसा प्रदर्शन दिया जो सच्चा और वास्तविक था, इसने हमें सेट पर हिला दिया। लहरें, हवा और खालीपन, सभी कहानी के पात्र बन गए।

सिंघौरी स्कूल में मनाया गया कारगिल विजय दिवस

स्कूली बच्चों ने शहीद सैनिकों को किया याद

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय सिंघौरी में बस्तामुक्त दिवस पर कारगिल विजय दिवस को याद करते हुए शहादत हुए सैनिकों को नमन किया गया। शिक्षकों द्वारा कारगिल युद्ध पर शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि देते हुए इस युद्ध के बारे में बच्चों को विस्तृत जानकारी दी गई। इसी कड़ी पर संस्था प्रमुख मीनाक्षी शर्मा ने बताया कि कारगिल विजय दिवस हमें सिखाता है कि देश की रक्षा सबसे बड़ा धर्म है। हमें अपने सैनिकों के त्याग और बलिदान को कभी नहीं भूलना चाहिए। हमें उनके संघर्ष से प्रेरणा लेनी चाहिए और अपने देश के लिए हमेशा कुछ अच्छा करने का संकल्प लेना चाहिए।सरस्वती साहू ने अपने उद्बोधन में कहा26 जुलाई को प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला कारगिल विजय दिवस प्रत्येक भारतीय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण दिन है। यह 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों के शौर्य, बलिदान और अटूट दृढ़ संकल्प का स्मरण कराता है। इस दिन, हम उन वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं जिन्होंने हमारे राष्ट्र की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। स्कूली बच्चों द्वारा हमारे देश के लिए लड़ने वाले बॉर्डर पर तैनात सिपाहियों के लिए रक्षा सूत्र भी बनाया गया और इसे डाक के माध्यम से भेजने की जानकारी दी गई। इस दौरान विद्यालय में मीनाक्षी शर्मा प्रधान पाठक, धनीराम बंजारे संकुल समन्वयक, सरस्वती साहू, देवेंद्र साहू, नुतेश्वर चंद्राकर, प्रशांत बघेल और साजन वर्मा उपस्थित रहे।

प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज द्वारा 27 जुलाई को होगा भव्य शपथ ग्रहण एवं प्रतिभा सम्मान समारोह

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय होंगे मुख्य अतिथि, नौ राज्यों से समाज प्रमुखों की रहेगी ऐतिहासिक उपस्थिति

रायपुर /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज द्वारा आयोजित एक ऐतिहासिक और गरिमामय समारोह का आयोजन 27 जुलाई 2025, रविवार को किया जा रहा है। इस अवसर पर समाज की प्रदेश एवं प्रबंध कार्यकारिणी के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथग्रहण समारोह तथा समाज के उन होनहार छात्र-छात्राओं का सम्मान कार्यक्रम आयोजित होगा जिन्होंने वर्ष 2025 की बोर्ड परीक्षाओं में 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त कर समाज को गौरवान्वित किया है। यह आयोजन दोपहर 12:00 बजे से अटल बिहारी वाजपेयी ऑडिटोरियम, डॉक्टर भीमराव अंबेडकर हॉस्पिटल के पीछे, जेल रोड, रायपुर में सम्पन्न होगा। इस भव्य आयोजन में छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे ।कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. रमन सिंह, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ विधानसभा एवं पूर्व मुख्यमंत्री करेंगे। समारोह में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं गृहमंत्री अरुण साव अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त कई गणमान्य जनप्रतिनिधियों की भी उपस्थिति दर्ज होगी जिनमें दयालदास बघेल (केबिनेट मंत्री), बृजमोहन अग्रवाल (सांसद, रायपुर), श्रीमती कमलेश जांगड़े (सांसद, जांजगीर-चांपा), गुरु खुशवंत दास जी (उपाध्यक्ष, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण), एवं विभिन्न क्षेत्रों के विधायकगण शामिल हैं। इनमें पुन्नूलाल मोहले (मुंगेली), डोमनलाल कोर्सेवाडा (अहिवारा), दिलीप लहरिया (मस्तुरी), श्रीमती उत्तरी जांगड़े (सारंगढ़), कविता प्राण लहरे (बिलाईगढ़), शेषराज हरवंश (पामगढ़) एवं हर्षिता स्वामी बघेल (डोंगरगढ़) प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे। इस गरिमामय आयोजन आयोजन में देशभर के नौ राज्यों ङ्क दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, असम, ओडिशा और पश्चिम बंगाल ङ्क से सतनामी समाज एवं सतनाम पंथ के प्रमुख, संतगण, समाजसेवी एवं प्रतिनिधिगण विशेष रूप से शामिल हो रहे हैं। यह आयोजन न केवल सामाजिक एकजुटता का परिचायक बनेगा, बल्कि युवाओं के प्रोत्साहन व नेतृत्व विकास की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम होगा। यह तीन दिवसीय आयोजन 26 जुलाई को विभिन्न राज्यों से आए अतिथियों के स्वागत के साथ प्रारंभ होगा। 27 जुलाई को शपथग्रहण और सम्मान समारोह का आयोजन होगा तथा 28 जुलाई को समस्त समाजजन गिरौदपुरी धाम पहुंचकर गुरु घासीदास जी के दर्शन करेंगे। इसके पश्चात सतनाम धर्मशाला मड़वा, गिरौदपुरी में दोपहर 1 बजे से राष्ट्रीय सतनामी समाज संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा जिसमें विभिन्न राज्यों से आए हुए समाज प्रमुख विचार-विमर्श करेंगे।

किसानों को खाद उपलब्ध करवाने में सरकार अभी भी लापरवाह बनी हुई है - कांग्रेस

रायपुर /मूक पत्रिका

पूरे प्रदेश में रोपाई और बियासी का काम समाप्ति की ओर है, लेकिन प्रदेश में खाद और बीज की समुचित व्यवस्था यह सरकार नहीं कर पाई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि प्रदेश के ज्यादातर सोसाइटी में किसानों को डीएपी, एन.पी.के की कमी से जूझना पड़ रहा है। उर्वरको की कमी के कारण किसानों की चिंता बढ़ गई है। किसानों को खाद उपलब्ध करवाने में सरकार अभी भी लापरवाह बनी हुई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि पर्याप्त मात्रा में डीएपी खाद की उपलब्धता नहीं होने से किसान परेशान हैं। यह सरकार नहीं चाहती कि किसान भरपूर उपज ले सके। बोनी, रोपाई और बियासी के समय सबसे ज्यादा आवश्यकता डीएपी खाद और एन.पी.के ही होती है, लेकिन इस सरकार का रवैया शुतुरमुर्ग की तरह है। सरकार के विज्ञापन में ही खाद उपलब्ध है। हकीकत में डीएपी, एन.पी.के. खुले बाजार में महंगे दाम पर ही मिल रहा है। छत्तीसगढ़ के किसानों की खाद के कुल आवश्यकता के मांग को केंद्र की मोदी सरकार ने खारिज करते हुए समुचित सप्लाई करने से मना कर दिया है, लेकिन दलीय चाटुकारिता में भाजपा के सांसद और प्रदेश की सरकार इस केंद सरकार के द्वारा छत्तीसगढ़ से भेदभाव और छत्तीसगढ़िया किसानों की उपेक्षा पर भी मौन है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार के किसान विरोधी षडयंत्रों के चलते ही छत्तीसगढ़ नकली बीज, नकली दवा, नकली खाद और घटिया नैनो यूरिया को खपाने का अड्डा बन गया है। किसान संगठनों का आरोप है कि गुणवत्ताहीन खाद और बीज को खपाने के लिए ही यह सरकार सरकारी समिति और निजी दुकानों के लिए किसानों के वास्तविक डिमांड के अनुरूप खाद, बीज की आपूर्ति नहीं करवा रही है। समय पर खाद, बीज की उपलब्धता नहीं होने से किसान जमाखोरों, बिचौलियों और मिलावटखोरों के हाथों शोषित होने मजबूर हैं।

कारगिल विजय दिवस पर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अघिना-सलका में विविध गतिविधियों का आयोजन

सलका/अधिना/मूक पत्रिका

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अघिना-सलका, जिला - सूरजपुर, छत्तीसगढ़ में जिला शिक्षा अधिकारी सूरजपुर के आदेशानुसार प्राचार्य चंद्रपाल कुशवाहा के संरक्षण एवं रासेयो कार्यक्रम अधिकारी रीता गिरी के नेतृत्व में बीते 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस पर विद्यालय में भाषण, निबंध, स्लोगन, गीत, कविता एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में कारगिल विजय में शहीद हुए मां भारती के वीर सपूतों को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का संचालन कक्षा 12 वीं की छात्रा ममता राजवाड़े एवं पूजा कुशवाहा ने किया। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की स्वयं सेविका मीना राजवाड़े, नेहा राजवाड़े, रितिका देवांगन, रेशमी देवांगन, काजल यादव, अर्पिता, अमृता,नेहा ठाकुर, संध्या राजवाड़े, गाइड विंग एवं अन्य छात्राओं का सक्रिय सहयोग रहा। प्राचार्य चंद्रपाल कुशवाहा, व्याख्याता नीलिमा लकड़ा एवं व्याख्याता रीता गिरी ने अपने उद्बोधन में कारगिल विजय दिवस एवं इस विजय के नायकों की गौरवगाथा पर प्रकाश डाला । बच्चों ने देशभक्ति एवं वीर रस से ओतप्रोत कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम के तर्ज़ पर एक पेड़ शहीदों के नाम अभियान अंतर्गत आम , अमरूद और पपीता के पेड़ लगाए गए। राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयं सेविकाओं ने भी अपने घरों में इस अभियान के तहत फलदार एवं छायादार वृक्ष लगाकर उसके संरक्षण का संकल्प लिया।इस अवसर पर व्याख्याता सुधा मिंज, मधुप्रेमा कुजूर, कौशिल्या भगत, अरूणा एक्का, सत्यवती गुप्ता, पूर्णिमा बजरंगी,मधूसूदन गुप्ता,शुभम राय, श्वेता सिंह एवं समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत 13 सितम्बर 2025 : सफल आयोजन हेतु बैठक आयोजित, अधिकतम प्रकरणों के निराकरण का लक्ष्य

बेमेतरा/मूक पत्रिका

आगामी नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन की तैयारियों को लेकर जिला न्यायालय परिसर में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा बृजेन्द्र कुमार शास्त्री ने की। इस अवसर पर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्रीमती निधि शर्मा सहित सभी न्यायाधीशगण उपस्थित रहे।बैठक में 13 सितम्बर 2025 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। अध्यक्षता कर रहे न्यायाधीश ने निर्देश दिए कि लोक अदालत के दौरान अधिकतम प्रकरणों को चिन्हांकित कर उनका त्वरित व पारस्परिक सहमति के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए। लोक अदालत में राजीनामा योग्य दाण्डिक प्रकरण, चेक बाउंस के मामले, मोटरयान अधिनियम से संबंधित विवाद, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, निष्पादन वसूली, बीमा, भरण-पोषण, परिवार न्यायालय से जुड़े विवाद तथा सिविल प्रकृति के अन्य प्रकरणों को प्राथमिकता से शामिल किया जाएगा। न्यायाधीशों को निर्देशित किया गया कि वे संबंधित पक्षकारों के बीच वैकल्पिक विवाद समाधान की संभावनाएं तलाशते हुए प्री-सिटिंग (पूर्व बैठक) के माध्यम से आपसी सहमति का वातावरण बनाएं, जिससे अधिकतम प्रकरणों का समाधान लोक अदालत में राजीनामा के आधार पर हो सके। बैठक के अंत में सभी न्यायाधीशों ने आपसी समन्वय से कार्य करते हुए नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने हेतु प्रतिबद्धता जताई।

लापरवाही से मोहल्ला जलभराव और कीचड़ में तब्दील

जलावर्धन योजना बनी लोगों के लिए मुसीबत

जांजगीर चांपा/सक्ती/मूक पत्रिका

नगर में पेयजल सुविधा बेहतर करने के उद्देश्य से शुरू की गई जलावर्धन योजना अब नागरिकों के लिए मुसीबत बनती जा रही है। योजना के अंतर्गत सोठी फाटक से लेकर नाका चौक तक पाइपलाइन बिछाने के कार्य में भारी लापरवाही और अनियमितता उजागर हो रही है।

बरसात में खोदी गई सड़कें बनी मुसीबत-भारी बारिश के बीच पूरे मोहल्ले की गलियाँ और सड़कें खोद दी गई हैं, जिससे मोहल्ला कीचड़ और जलभराव से जूझ रहा है। घरों तक पहुंचना दूभर हो गया है और कई जगहों पर घर के अंदर तक पानी भर गया है। राहगीर, स्कूली बच्चे, बुजुर्ग सभी को आने-जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

गुणवत्ता की अनदेखी और सुरक्षा का अभाव-स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पाइपलाइन डालने के दौरान न तो गुणवत्तापूर्ण सामग्री का उपयोग किया जा रहा है और न ही कार्यस्थल पर कोई सुरक्षा मानक अपनाए जा रहे हैं। खुदाई के बाद सड़कों को समतल नहीं किया जा रहा, जिससे गड्ढों और कीचड़ में फिसलने से चोट लगने की घटनाएं भी सामने आ रही है।

पूर्व में भी की जा चुकी है शिकायत-इस लापरवाही को लेकर पूर्व में भारतीय जनता पार्टी के जिला कोषाध्यक्ष रामनरेश यादव द्वारा कलेक्टर को लिखित शिकायत दी जा चुकी है। उन्होंने जलावर्धन योजना में हो रही अनियमितताओं और घटिया कार्यप्रणाली पर आपत्ति जताते हुए शीघ्र जांच और कार्रवाई की मांग की थी। परंतु आज पर्यंत तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई है, जिससे नागरिकों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

प्रशासनिक जवाबदेही से बचते अधिकारी-इस संबंध में जब मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रहलाद पांडेय से बात की गई, तो उन्होंने कहा कि ÷मैं हाल ही में पदस्थ हुआ हूँ, इसलिए इस विषय की पूरी जानकारी नहीं है। इस पर तकनीकी जानकारी संबंधित इंजीनियर ही दे पाएंगे।÷ उनका यह जवाब प्रशासन की ढीली जवाबदेही को दर्शाता है।

निवासियों की चेतावनी: जल्द सुधार नहीं तो होगा आंदोलन-मोहल्लेवासियों ने स्पष्ट किया है कि यदि कार्य की गुणवत्ता और सुरक्षा को प्राथमिकता नहीं दी गई, तो वे प्रदर्शन और घेराव करने को मजबूर होंगे। नागरिकों की मांग है कि प्रशासन स्वयं मौके का निरीक्षण करे और दोषी ठेकेदार या इंजीनियर के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

आज ही जुड़े हमारे राष्ट्रीय दैनिक अखबार मूक पत्रिका एवं न्यूज नेटवर्क के साथ
आवश्यकता
कवर्धा, कांकेर (उत्तर बस्तर), कोरबा, कोरिया, जशपुर, जांजगीर-चाँपा, मनेन्द्रगढ़, सक्ती, सारंगढ़, मोहल्ला मानपुर, दन्तेवाड़ा (दक्षिण बस्तर), दुर्ग, धमतरी, बिलासपुर, बस्तर, महासमुंद, राजनांदगाँव, रायगढ़, रायपुर, सरगुजा, बलौदाबाजार, बालोद, मुंगेली, बेमेतरा, सुरजपुर, गरियाबंद, सुकमा, बलरामपुर, नारायणपुर, बीजापुर, गौरेला-पेण्ड्रा मरवाही
राष्ट्रीय अखबार मूक पत्रिका सम्पर्क करें। +91 7999238079, 6267320220 Head Office : Press Road & Media HouseTelibandha Shyam Nagar Raipur Chhattisgarh-492001 इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें।

राष्ट्रीय दैनिक मूक पत्रिका निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज... MP National News
छत्तीसगढ़ के संभाग/ जिला/ब्लॉक/ग्रामीण स्तर पर मिडिया मित्र के रूप में कार्य करने हेतु सम्पर्क करें। 9770269285, 7999238079
कवर्धा, कांकेर (उत्तर बस्तर), कोरबा, कोरिया, जशपुर, जांजगीर-चाँपा, मनेन्द्रगढ़, सक्ती, सारंगढ़, मोहल्ला मानपुर, दन्तेवाड़ा (दक्षिण बस्तर), दुर्ग, धमतरी, बिलासपुर, बस्तर, महासमुंद, राजनांदगाँव, रायगढ़, रायपुर, सरगुजा, बलौदाबाजार, बालोद, मुंगेली, बेमेतरा, सुरजपुर, गरियाबंद, सुकमा, बलरामपुर, नारायणपुर, बीजापुर, गौरेला-पेण्ड्रा मरवाही
राष्ट्रीय अखबार मूक पत्रिका सम्पर्क करें। +91 7999238079, 6267320220 Head Office : Press Road & Media HouseTelibandha Shyam Nagar Raipur Chhattisgarh-492001 इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें।

MP National News राष्ट्रीय दैनिक मूक पत्रिका निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...
इच्छुक व्यक्ति जल्द सम्पर्क करें।
Contact No.+91 7999238079, 9770269285, 6267320220
Head Office : Press Road & Media HouseTelibandha Shyam Nagar Raipur Chhattisgarh-492001

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।